कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड

सागर रत्न

सितंबर 2025

सुरक्षा में उत्कृष्टता की पहचान - सीएसएल को
केरल राज्य सुरक्षा पुरस्कार

कोचीन शिपयार्ड को प्रतिष्ठित एनआईपीएम
सीएसआर उत्कृष्टता पुरस्कार -
सामाजिक उत्तरदायित्व में एक और स्वर्णिम अध्याय

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड

भारत सरकार का उद्यम

(एक मिनिरत्न अनुसूची 'ए' कंपनी)

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

पेरुमानूर पी.ओ., कोच्ची - 15

18 वाँ अंक

संपादक मंडल

संरक्षक

श्री मधु एस नायर

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादक

श्री सुबाष ए के

महाप्रबंधक

(मानव संसाधन एवं अध्ययन विकास)

संपादक सदस्य

श्रीमती सरिता जी

प्रबंधक (राजभाषा)

श्रीमती लिजा जी एस

सहायक प्रशासनिक अधिकारी

(हिंदी-वरिष्ठ ग्रेड)

श्रीमती आतिरा आर एस

हिंदी टंकक

सागर रत्न हिंदी गृह पत्रिका

सितंबर 2025

अनुक्रमणिका

1.	अध्यक्षीय संदेश	2
2.	संपादक की कलम से	3
3.	नवाचार की नई दिशा	4
4.	राजभाषा समाचार	6
5.	कंपनी समाचार	12
6.	सुरक्षा जागरूकता	17
7.	परिश्रम की पहचान, सफलता का सम्मान	18
8.	उपलब्धियां	19
9.	लेख	20
10.	कहानी	30
11.	कविता	32
12.	यात्रावृत्तांत	35
13.	बोलचाल की हिंदी	43
14.	मुहावरे	44
15.	टिप्पणियां	44
16.	पाठकों की आवाज़	46
17.	चित्र रचनाएँ	47

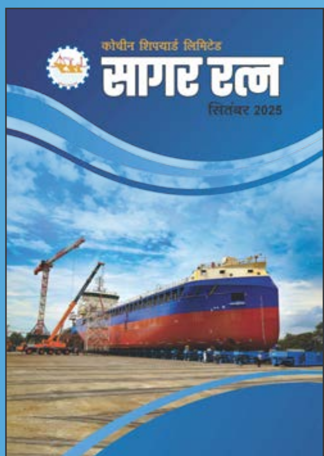

सागर रत्न हिंदी गृह पत्रिका

अध्यक्षीय भाषण

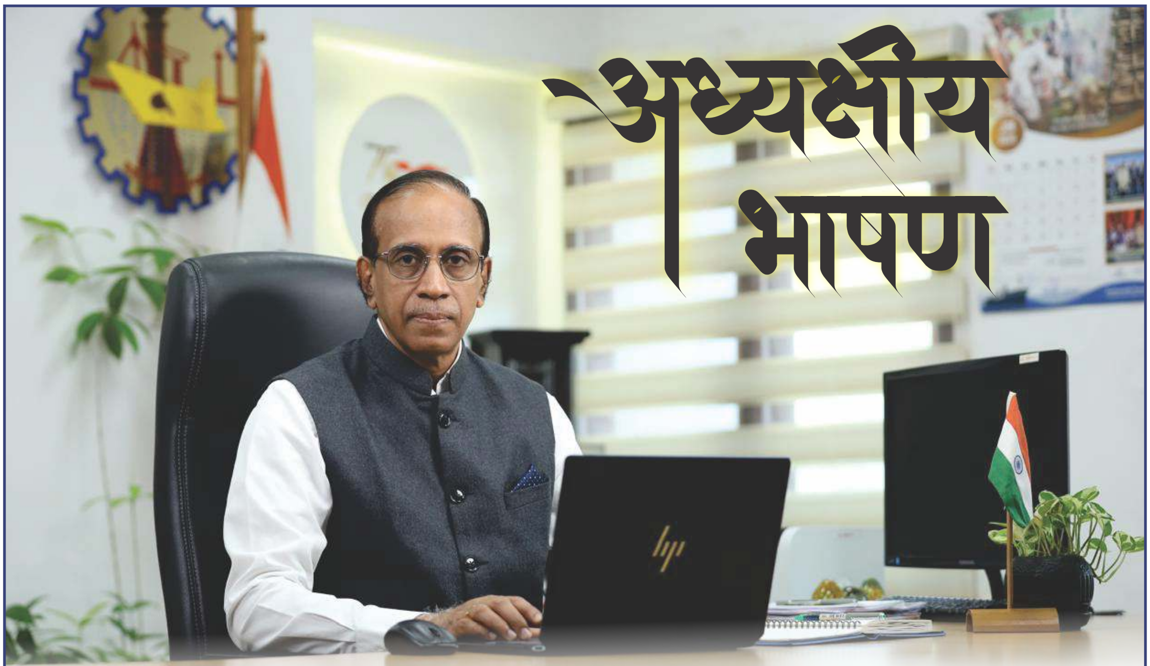

सागर रत्न के 18 वें संस्करण के प्रकाशन के अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ। यह पत्रिका केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि कोचीन शिपयार्ड की अद्वितीय यात्रा, उपलब्धियों और कर्मचारियों की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है । इस के माध्यम से हम न केवल अपनी परियोजनाओं और प्रगति को साझा करते हैं, बल्कि हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और सांस्कृतिक समावेशिता को भी सुदृढ़ करते हैं । यह पत्रिका हर स्तर के कर्मचारी को अपनी बात कहने, विचार रखने और संगठन से जुड़ाव महसूस करने का अवसर प्रदान करती है ।

गत वर्ष हमारे लिए कई मायनों में ऐतिहासिक रहा । हमने अनेक जटिल पोत निर्माण परियोजनाएँ समय से पूर्व पूर्ण कीं और हरित नौवहन व डिजिटल पोत निर्माण के क्षेत्र में सार्थक योगदान दिया । आईएनएस विक्रांत की सफलता ने देश के आत्मनिर्भरता अभियान में हमारी भूमिका को और अधिक स्पष्ट किया है । मानव संसाधन विकास, प्रशिक्षण, कर्मचारियों की भलाई, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा मानकों और सामाजिक उत्तरदायित्व सभी क्षेत्रों में हमने नए मानक स्थापित किए हैं । हमारा भविष्य भी नवाचार, गुणवत्ता और सतत विकास की ओर केंद्रित है । हम न केवल उत्पादकता बढ़ा रहे हैं, बल्कि एक समावेशी और उत्तरदायी संगठन का निर्माण कर रहे हैं ।

हमें यह सुनिश्चित करना है कि कोचीन शिपयार्ड केवल भारत में ही नहीं, विश्व स्तर पर एक विश्वसनीय समुद्री उद्योग साझेदार के रूप में स्थापित हो। मैं सभी कर्मचारियों, अधिकारियों, यूनियनों, ग्राहक संगठनों और हितधारकों का आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके समर्थन और परिश्रम ने हमें यह मुकाम दिलाया ।

''सागर रत्न'' का प्रकाशन हमारी राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है । मैं सागर रत्न की संपादकीय टीम, पत्रिका से जुडे सभी सहयोगियों तथा उनके परिवारजनों को इस उत्कृष्ट प्रयास के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि यह पत्रिका भविष्य में भी हमारी पहचान, संस्कृति और नवाचार की भावना को उजागर करती रहेगी ।

जय हिंद ।

मधु एस नायर

मधु एस नायर

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संपादक की कलम से.......

प्रिय पाठकों,

यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि हम ''सागर रत्न'' पत्रिका का 18 वां संस्करण आपके सम्मुख ला रहे हैं। यह अंक हमारे संगठन की सतत प्रगति, नवाचार की भावना और उस सामूहिक प्रयास का प्रतीक है जो कोचीन शिपयार्ड को उसकी ऊँचाइयों तक ले जा रहा है।

आज जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में दृढ़ता से अग्रसर है, कोचीन शिपयार्ड भी राष्ट्र निर्माण की इस यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पोत निर्माण, नवाचार, और हर चुनौती को अवसर में बदलने की हमारी प्रतिबद्धता, हम सभी के सतत परिश्रम और टीम वर्क का परिणाम है।

''सागर रत्न'' हमारे कर्मचारियों की रचनात्मकता, विचारशीलता और भाषा प्रेम का सुंदर संगम है। यह केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि एक मंच है जहाँ हर आवाज़ को स्थान मिलता है - विचारों को उड़ान मिलती है, और भाषा को सम्मान। हिंदी हमारे मन की भाषा है, और इस प्रयास के माध्यम से हम इसके प्रचार-प्रसार में अपनी भूमिका निभाने का गर्व अनुभव करते हैं।

हम उन सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने अपने लेख, कविताएँ, विचार और सुझावों से इस अंक को समृद्ध बनाया। आशा है यह अंक भी आपकी अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा और आपको आनंद एवं प्रेरणा प्रदान करेगा।

शुभकामनाओं से,

सुबाष ए के

सुबाष ए के

महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं अध्ययन विकास)

नवाचार की नई दिशा

माननीय केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री द्वारा कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में तकनीकी उन्नयन की नई शुरुआत

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोणोवाल ने दिनांक 07 अप्रैल 2025 को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) का दौरा किया और भारत के पोत निर्माण क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से उन्नत मशीनरी का शुभारंभ किया। मंत्री ने प्रोआर्क सीएनसी प्लाज़्मा कम ऑक्सी फ्यूल प्लेट कटिंग मशीन का अनावरण किया - यह एक उद्योग 4.0 - उद्यत, आईओटी - सक्षम प्रणाली है जिसे पोत निर्माण की सटीकता, दक्षता और वास्तविक समय की निगरानी को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इस यात्रा के दौरान, माननीय मंत्री ने सीएसएल और ग्रीनको गार्डन की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 'टेरा मैरिस' शिल्पकला को समर्पित किया गया, उषस कार्यक्रम के तहत तीन स्टार्टअप को अनुदान वितरित किए और मेसर्स मेर्सक, बीएसएम और एएसएपी (केरल सरकार) के नाविक/ प्रशिक्षुओं को सफल कौशल/बहुकौशल उन्नयन के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

उन्होंने हरित टग ट्रांज़िशन कार्यक्रम के तहत विकसित किए जा रहे दो टग के लिए स्टील - कटिंग समारोह का भी संचालन किया, जिसका उद्देश्य भारत के समुद्री क्षेत्र को डीकार्बोनाइज़ करना है। सीएसएल पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ टगों का निर्माण करने वाला पहला भारतीय शिपयार्ड बन गया है, जिसकी प्रमुख पत्तनों पर कुल 16 पोतों के निर्माण की योजना है। मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह की पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को दर्शाती है, जो भारत को वैश्विक पोत निर्माण और हरित समुद्री समाधानों में अग्रणी बनाती है।

इस यात्रा के दौरान, मंत्री ने ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के लिए सीएसएल द्वारा निर्माणाधीन भारत के सबसे बड़े ट्रेलर सक्शन हॉपर ड्रेडजर की समीक्षा की। यह कार्यनीतिक परिसंपत्ति देशीय क्षमताओं को बढ़ावा देने, विदेशी निर्भरता को कम करने और समुद्री अमृतकाल विज़न 2047 के अनुसार तटीय और समुद्री बुनियादी ढांचे के विकास का समर्थन करने हेतु तैयार है।

यह यात्रा भारत की समुद्री प्रगति को तीव्र करने हेतु एक मज़बूत प्रयास के साथ समाप्त हुई - जो महत्वाकांक्षा, आत्मनिर्भरता , कार्यनीतिक दृष्टि और एक परिवर्तनकारी भविष्य के दृष्टिकोण से प्रेरित थी।

राजभाषा समाचार

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोच्ची से राजभाषा पुरस्कार

● कोच्ची नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य संगठनों में 200 से अधिक कर्मचारी वाले सार्वजनिक उपक्रमों में वर्ष 2023-24 के दौरान राजभाषा हिंदी के उत्तम निष्पादन केलिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड को समिति की **राजभाषा शील्ड (प्रथम पुरस्कार)** प्राप्त हुई ।

● नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टॉलिक), कोच्ची से वर्ष 2023-24 के दौरान कार्यालय ने राजभाषा गृह पत्रिका **'सागर रत्न'** केलिए प्रथम पुरस्कार हासिल किया । साथ ही कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा उत्तम हिंदी गृह पत्रिका के लिए प्रायोजित ट्रॉफी भी स्वीकार किया ।

● **संयुक्त हिंदी पखवाडा समारोह** के सिलसिले में आयोजित प्रशासनिक शब्दावली और टिप्पणी, अनुवाद, समाचार वाचन, कविता पाठ, निबंध लेखन, कविता रचना, प्रश्नोत्तरी, अंताक्षरी, सुलेख और सुगम संगीत (महिला) आदि प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों ने पुरस्कार प्राप्त करते हुए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने **प्रथम रण्णर अप ट्रॉफी** हासिल किया।

पुरस्कार विजेतागण

श्रीमती सुमी एस
प्रशासनिक शब्दावली और टिप्पणी–प्रथम
अनुवाद – सांत्वना

श्रीमती दिव्या एम पै
समाचार वाचन – द्वितीय
कविता पाठ – सांत्वना

श्रीमती टिन्टु जोसी
कविता पाठ - द्वितीय

सुश्री अक्षता डी
निबंध लेखन - तृतीय
अनुवाद - सांत्वना

श्रीमती हृष्ना पी एम
कविता रचना - तृतीय
निबंध लेखन - सांत्वना

श्री तरंजित एच और श्री विष्णु शाजी
प्रश्नोत्तरी - तृतीय

राजभाषा समाचार

सुश्री ग्रीष्मा बालू
समाचार वाचन - सांत्वना

श्रीमती अपिला
सुलेख - सांत्वना

सुश्री अपर्णा मोहन
सुगम संगीत- सांत्वना

श्री सोनु कुमार और श्री दीपक चौधरी
अंताक्षरी - सांत्वना

'धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय।।'

भावार्थ / व्याख्या:

हे मन! सब कुछ धीरे-धीरे होता है, समय का अपना क्रम है। अगर माली किसी पौधे को सौ घड़े पानी से सींचे भी, तब भी फल मौसम आने पर ही आते हैं।

यह दोहा धैर्य और समय की महत्ता को दर्शाता है - सफलता, फल या परिणाम एक दिन में नहीं मिलते। निरंतर प्रयास के साथ सही समय का इंतजार ज़रूरी है।

राजभाषा समाचार

सीएसएल के कर्मचारियों के बच्चों के लिए हिंदी शिल्पशाला

हिंदी भाषा की महत्ता से अवगत कराने और भाषा संबंधी क्षमता को बढाने के उपलक्ष्य में, सीएसएल के कर्मचारियों के बच्चों के लिए दिनांक 09 मई 2025 को डॉल्फिन क्लब में हिंदी शिल्पशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें कुल 55 बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबाष ए.के., महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं अध्ययन विकास) के जोश भरे स्वागत और अध्यक्षीय भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने हिंदी भाषा सीखने के महत्व पर ज़ोर दिया और कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया।

कैनरा बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक श्री प्रशांत जी.पै ने हिंदी भाषा के आकर्षक पाठों और मज़ेदार गतिविधियों के साथ सत्र का नेतृत्व किया, जिससे बच्चों में रुचि और भागीदारी बढ़ी। उन्होंने बच्चों को हिंदी भाषा की मूल बातें समझाई । इसमें व्याकरण, शब्दों का उच्चारण और सरल हिंदी लेखन पर ध्यान केंद्रित किया गया। बच्चों केलिए हिंदी भाषा की संवादात्मक कक्षाएं और शब्दावली निर्माण, वाक्य निर्माण और समूह अभ्यास जैसी आकर्षक गतिविधियाँ शामिल थीं। इस अवसर पर बच्चों केलिए हिंदी में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रश्नोत्तरी, हिंदी फिल्मी गीत और चित्रकला प्रतियोगिताएं शामिल थीं, जो प्रतिभागियों को हिंदी भाषा और रचनात्मकता में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने का एक मज़ेदार और आकर्षक तरीका प्रदान करता है।

कार्यक्रम का समापन बच्चों को पुरस्कार वितरित करने और उनके प्रयासों की सराहना करने के साथ हुआ। सभी बच्चों ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया और हिंदी भाषा में अपनी रुचि और कौशल को और उजागर किया। इस कार्यक्रम को प्रतिभागियों और अभिभावकों दोनों ने खूब सराहा, जिससे यह एक सफल और सार्थक पहल बन गई।

राजभाषा समाचार

विशेषीकृत हिंदी टिप्पण व आलेखन प्रशिक्षण

कार्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रभावी एवं शुद्ध प्रयोग को प्रोत्साहित करने तथा अधिकारियों/कर्मचारियों की लेखन दक्षता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दिनांक 05 जून 2025 को एक दिवसीय ''विशेषीकृत हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रशिक्षण कार्यक्रम'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्रीमती लिजा जी.एस., सहायक प्रशासनिक अधिकारी (हिंदी - व. ग्रे.) ने संकाय के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने प्रतिभागियों को हिंदी में प्रभावी ढंग से टिप्पण तैयार करने, आलेख लेखन की प्रक्रिया, राजभाषा नीति का अनुपालन तथा कार्यालयीन अभिव्यक्ति की स्पष्टता पर केंद्रित प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में कुल 31 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षण सत्र के दौरान संवादात्मक गतिविधियाँ एवं अभ्यास आधारित सत्रों का समावेश किया गया, जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक कार्यालयीन परिस्थितियों में हिंदी प्रयोग का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सका।

सीएसएल के अन्य यूनिट केलिए ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला

दिनांक 12 जून 2025 को कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड की तीन इकाइयों - सीएमएसआरयू, सीकेएसआरयू एवं सीएएनएसआरयू के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), चेन्नई के सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ. किरण अय्यर वी ने संकाय के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया। सत्र के दौरान प्रतिभागियों को राजभाषा नीति, हिंदी में टिप्पणी एवं मसौदा लेखन, तथा हिंदी टंकण हेतु यूनिकोड के उपयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यावहारिक जानकारी दी गई। कार्यशाला में तीनों यूनिटों से कुल 51 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह कार्यशाला न केवल राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रही, बल्कि कर्मचारियों को कार्यालयीन कार्य में हिंदी के प्रभावी उपयोग हेतु प्रेरित करने में भी सहायक सिद्ध हुई।

इंटर्नशिप कार्यक्रम

कॉलेज छात्रों के बीच राजभाषा हिंदी और कार्यालयीन कार्यों से परिचित कराने के उपलक्ष्य से कोचीन शिपयार्ड में इंटर्नशिप कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा से 10 छात्रों ने हिंदी में इंटर्नशिप कार्य सफल रूप में पूरा किया। उन्हें राजभाषा नीति, वार्षिक कार्यक्रम, पत्राचार, टिप्पण व आलेखन, कंप्यूटर में टाइपिंग, रिकॉर्ड/फाइल प्रबंधन आदि में ज्ञान प्राप्त करने का सुअवसर मिला।

नकद पुरस्कार योजना

- कार्यालयीन काम हिंदी में करने हेतु वर्ष के दौरान नकद पुरस्कार योजना में कुल 88 कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
- दसवीं कक्षा में हिंदी में उच्च अंक प्राप्त करने से संबंधित नकद पुरस्कार योजना में कुल 28 कर्मचारियों के बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

निरंतर अध्ययन – कर्मचारियों की उपलब्धियों का सम्मान

निरंतर अध्ययन की संस्कृति को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता के अंतर्गत, कर्मचारियों की उपलब्धियाँ-जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सफल पूर्ति, प्रमाण-पत्र प्राप्ति एवं अन्य उल्लेखनीय सफलताएँ- अब पूरे संगठन में द्विभाषी रूप में डिस्प्ले बोर्ड पर प्रदर्शित की जा रही हैं। इस पहल का उद्देश्य न केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों को मान्यता देना है, बल्कि सहकर्मियों को भी प्रेरित करना है कि वे निरंतर सीखने की प्रक्रिया से जुड़ें रहें। इसी क्रम में, द्विभाषी प्रमाण-पत्रों के माध्यम से भी व्यक्तिगत प्रयासों को औपचारिक रूप से सम्मानित किया जा रहा है। यह प्रयास इस विश्वास को दृढ़ करता है कि सीखने की दिशा में उठाया गया प्रत्येक कदम, व्यक्तिगत और संस्थागत उत्कृष्टता की ओर एक सार्थक कदम है।

'शब्द विचारी जो चले, गुरुमुख होय निहाल।
काम क्रोध व्यापै नहीं, कबूँ न ग्रासै काल ॥'

भावार्थ / व्याख्या:

अर्थ : गुरुमुख शब्दों का विचार कर जो आचरण करता है, वह कृतार्थ हो जाता है। उसको काम क्रोध नहीं सताते और वह कभी मन कल्पनाओं के मुख में नहीं पड़ता।

कंपनी समाचार

गंगा की गोद में वैभवशाली क्रूज़ यात्रा का नया अध्याय– हुगली सीएसएल और हेरिटेज रिवर जर्नीज़ की ऐतिहासिक साझेदारी

भारत की अग्रणी लक्ज़री रिवर क्रूज़ ऑपरेटर, अंतरा रिवर क्रूज़ ब्रांड नाम से परिचालित हेरिटेज रिवर जर्नीज़ प्राइवेट लिमिटेड ने ब्रह्मपुत्र नदी पर संचालित होने वाले दो भव्य रिवर क्रूज़ जलयानों के निर्माण हेतु कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक इकाई, हुगली कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (हुगली सीएसएल) के साथ एक निर्माण अनुबंध संपन्न किया है।

पहले पोत के निर्माण हेतु समझौते और दूसरे पोत के लिए आशय पत्र (एलओआई) पर हुगली सीएसएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सनिल पीटर और अंतरा रिवर क्रूज़ के संस्थापक एवं अध्यक्ष श्री राज सिंह ने कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री मधु एस नायर तथा सीएसएल एवं अंतरा के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

यह पहल भारतीय समुद्री इतिहास में एक ऐतिहासिक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी - अंतर्देशीय पोत नियम, 2022 के अंतर्गत वर्गीकृत होने वाला यह पहला अग्रणी विलासपूर्ण नदी क्रूज़ पोत होगा, जो ब्रह्मपुत्र नदी पर संचालित किया जाएगा। देश के प्रतिष्ठित जलमार्गों पर सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और पर्यावरणीय रूप से संधारणीय नौकायन अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया यह कदम, भारत में वैभवशाली रिवर क्रूज़िंग के इतिहास में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है।

नए जलयान अंतर्देशीय नौवहन में विलासिता, सुरक्षा और संधारणीयता के नए मानक स्थापित करने का वादा करते हैं। ये मेक इन इंडिया पहल के तहत एक महत्वपूर्ण कदम को दर्शाते हैं, और भारत की इस बढ़ती क्षमता को उजागर करते हैं कि वह अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्रूज़ जलयानों का डिज़ाइन और निर्माण कर सकता है।

'ऐसी वाणी बोलिए मन का आप खोये।
औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होए।।'

भावार्थ / व्याख्या:

कबीर दास जी कहते हैं कि इंसान को ऐसी भाषा बोलनी चाहिए जो सुनने वाले के मन को बहुत अच्छी लगे। ऐसी भाषा दूसरे लोगों को तो सुख पहुँचाती ही है, इसके साथ खुद को भी बड़े आनंद का अनुभव होता है।

कंपनी समाचार

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने दिनांक 8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस वर्ष का विषय ''कार्रवाई में तेजी लाएं'' था। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री मधु एस नायर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने की और मुख्य अतिथि एससीएमएस की समूह निदेशक डॉ. राधा थेवनूर थीं। इस समारोह का उद्देश्य कंपनी और व्यापक समाज में महिलाओं के योगदान को स्वीकार करना था। डॉ. थेवनूर ने सीएसएल और समाज दोनों को आकार देने में उनकी भूमिका के लिए महिला कर्मचारियों की प्रशंसा की। सत्र में अधिकारियों, प्रशिक्षुओं, पर्यवेक्षकों और कामगारों सहित सभी महिला कर्मचारियों ने भाग लिया।

कंपनी समाचार

जापान को जानें – उत्कृष्ट कार्य नेतृत्व केलिए शैली और मूल्यों का समन्वय

सीएसएल के 20 कर्मचारियों (जिनमें 10 महिला कर्मचारी शामिल हैं) का पाँचवाँ बैच एओटीएस (एसोसिएशन फॉर ओवरसीज़ टेक्निकल स्कॉलरशिप) प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु जापान की यात्रा पर रवाना हुआ। प्रस्थान से पूर्व सीएसएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री मधु एस नायर ने टीम को संबोधित किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 से 24 फरवरी 2025 तक आयोजित किया गया। यह सीएसएल की अपने कर्मचारियों को अत्याधुनिक ज्ञान और कौशल से सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जापानी कार्य संस्कृति, कार्यस्थल प्रबंधन तथा सामाजिक व्यवहार की जानकारी प्रदान की गई।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस समारोह

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने मार्च 2025 में 54 वें राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें संगठन के भीतर एक मज़बूत सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। सीएसएल ने 02 मार्च 2025 को ''सुरक्षा मुझसे शुरू होती है'' थीम पर एक मैरथान

का आयोजन किया, जिसमें कर्मचारियों और हितधारकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिसने सुरक्षा के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी को रेखांकित किया।

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस दिनांक 04 मार्च 2025 को ध्वजारोहण समारोह के साथ मनाया गया, जो सुरक्षा प्रोटोकॉल और जागरूकता के प्रति संगठन के समर्पण का प्रतीक था। ''एक साथ मज़बूत - एक साथ सुरक्षित'' अभियान हार्ड हैट स्टिकर एक्सचेंज के साथ शुरू किया गया था, जो कर्मचारियों के बीच एक अन्योन्याश्रित सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देता है और इस संदेश को मज़बूत करता है कि सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है। सीएसएल ने कार्यस्थल सुरक्षा के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण का प्रदर्शन करते हुए, पूरी तरह से सुसज्जित फायर टेंडर पेश करके अपनी आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री मधु एस नायर ने समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर निदेशकगण, वरिष्ठ अधिकारीगण, सुरक्षा समिति सदस्यों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति सुनिश्चित की।

कार्यक्रम का समापन पुरस्कारों के वितरण और उप-ठेकेदारों के लिए स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) रेटिंग जारी करने, अनुकरणीय सुरक्षा प्रथाओं को मान्यता देने और निरंतर सुधार को प्रोत्साहित करने के साथ हुआ। ये गतिविधियां सीएसएल के अपने संगठनात्मक संस्कृति में सुरक्षा को एकीकृत करने के सतत प्रयासों को दर्शाती हैं, जिससे इसके कार्यबल और हितधारकों की भलाई सुनिश्चित होती है।

महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल : कोचीन शिपयार्ड द्वारा नॉर्थ स्टार शिपिंग लिमिटेड, यूके के लिए नए एसओवी हेतु स्टील कटिंग

भारत के अग्रणी पोत निर्माण और पोत मरम्मत संगठन कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने मेसर्स नॉर्थ स्टार शिपिंग (एबरडीन) लिमिटेड, यूके के लिए अत्याधुनिक हाइब्रिड सर्विस ऑपरेशन वेसल (एसओवी) के लिए स्टील-कटिंग समारोह के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। समारोह का संचालन नॉर्थ स्टार शिपिंग के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी श्री जेम्स ब्रैडफोर्ड ने किया, जिन्होंने श्री श्रीजित के नारायणन (निदेशक - प्रचालन), श्री हरिकृष्णन एस (कार्यकारी निदेशक - पोत निर्माण) के साथ-साथ सीएसएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और वर्गीकरण सोसाइटी डीएनवी के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पहली स्टील की कटिंग शुरू की।

68 मीटर हाइब्रिड-इलेक्ट्रिक एसओवी को नॉर्वे के वार्ड एएस द्वारा डिज़ाइन किया गया है। डीपी2 श्रेणी के पोत को यानमार के 3 डीजल मेन जेनरेटिंग सेट और उच्च क्षमता वाली लिथियम आयन बैटरियों के संयोजन से संचालित किया जाएगा। पोत को वोइथ इलेक्ट्रिक-साइक्लोइडल प्रोपल्सर और एसएमएसटी के वॉक-टू-वर्क सिस्टम से सुसज्जित किया जा रहा है। इस अत्याधुनिक वॉक-टू-वर्क जलयान में विशेषज्ञों और चालक दल सहित कुल 54 लोग रह सकेंगे, जो पवन टरबाइन रखरखाव के प्रभारी होंगे और एक गोदाम और रसद केंद्र के रूप में काम करेंगे। उत्कृष्टता के प्रति सीएसएल का दृढ़ समर्पण, इस परियोजना में निहित अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के साथ मिलकर पोत निर्माण में वैश्विक खिलाड़ी के रूप में इसकी प्रतिष्ठा को मज़बूत करता है।

सुरक्षा जागरूकता

ब्लास्टिंग कार्य के दौरान सावधानियां

अपघर्षक ब्लास्टिंग किसी वस्तु या सतह को साफ करने,गड़गड़ाहट हटाने,बनावट करने, या पेंट या अन्य प्रकार की कोटिंग के प्रयोग हेतु सतह तैयार करने के लिए अपघर्षक सामग्री की उच्च वेग धारा को निदेशित करने हेतु संपीड़ित हवा या पानी का उपयोग करता है।

- ब्लास्टिंग शुरू होने से पहले, पर्यवेक्षक और/या अन्य नामित कर्मचारियों को क्षेत्र और ब्लास्ट की जाने वाली वस्तुओं का निरीक्षण करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी प्रभावित मशीनरी ढकी हुई हैं, साइड शेल पर खुले हिस्से ढके हुए हैं और दरवाजे बंद हैं।
- ब्लास्टिंग क्षेत्र में अधिकृत प्रवेश को प्रतिबंधित करने हेतु कार्यस्थल के चारों ओर अवरोध और संकेत लगाए जाएंगे।
- सुनिश्चित करें कि ब्लास्टिंग हॉपर के पास वैध परीक्षण प्रमाणपत्र हो।
- सभी ब्लास्टिंग उपकरणों का निरीक्षण करें और सुनिश्चित करें कि यह सभी अनुमोदित सुरक्षा उपकरणों और गेजों के साथ ठीक से इकट्ठा किया गया है।
- उपयोग से पहले एयर होज़ का निरीक्षण किया जाना चाहिए, उपयोग से पहले सुरक्षा क्लिप के साथ सभी जोड़ों पर व्हिप चेक लगाए जाने चाहिए।
- प्रचालक द्वारा नली पर नियंत्रण खो देने की स्थिति में ब्लास्टिंग नोज़ल को स्वचालित कट ऑफ वाल्व या मैनुअल ''डेड मैन'' नियंत्रण से सुसज्जित किया जाना चाहिए। मैनुअल नियंत्रण को कभी भी बांधा या टेप नहीं किया जाना चाहिए।
- स्थिर चिंगारी को रोकने के लिए ब्लास्टिंग उपकरण और ब्लास्ट की जाने वाली सतहों को स्थिर किया जाना चाहिए, खासकर अगर अस्थिर पदार्थ मौजूद हो। स्थैतिक बिजली के झटके को रोकने हेतु होसेस को इस प्रकार का बनाया जाना चाहिए।
- हमेशा उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिस्थैतिक अपघर्षक ब्लास्टिंग डिज़ाइन वाली नली का उपयोग करें।
- आंतरिक और बाहरी टूट-फूट के लिए सभी होसों और घटकों का पूरी तरह से निरीक्षण किया जाना चाहिए। सभी घिसे-पिटे, जंग लगे या संदिग्ध हिस्सों को बदला जाना चाहिए।
- कर्मचारियों को उपयुक्त व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण पहनना चाहिए, जिसमें घर्षण ब्लास्टिंग कार्य के दौरान उत्पन्न धूल से कर्मचारियों की सुरक्षा, आंखों और चेहरे की सुरक्षा, श्रवण सुरक्षा, पैरों की सुरक्षा और दस्ताने के लिए डिज़ाइन किए गए श्वासयंत्र शामिल हैं।
- जब अधिक तैन एक ब्लास्टर ब्लास्टिंग कार्य कर रहा हो तो कार्य के दौरान ब्लास्टर्स के बीच पर्याप्त दूरी बनाए रखें।
- पर्यवेक्षक को साइट पर मौजूद रहना चाहिए और कार्य में शामिल सभी कामगारों के बीच उचित संपर्क बनाए रखना चाहिए।
- मचान या ऊंचे मंच से काम करते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। ऊंचाई से काम करते समय गिरने से सुरक्षा, जैसे पूरे शरीर का कवच या गिरने से रोकनेवाली प्रणाली, प्रदान की जानी चाहिए।
- सुनिश्चित करें कि मचान को कार्य मंच के रूप में उपयोग करने से पहले उपयोग के लिए प्रमाणित किया गया है।
- अपनेआप को अन्य खतरों से सुरक्षित दूरी पर बनाए रखें।
- ब्लास्टिंग गन के साथ कार्य के दौरान कोई भी घुड़दौड़ न करें।
- यदि सहायक, निविदाकर्ता या अन्य कर्मी, कार्य के दौरान धूल के संपर्क में आते हैं, तो उन्हें अनुमोदित व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण भी पहनना चाहिए।
- सभी कर्मियों को ब्लास्टिंग कार्य के दौरान हवा के अनुकूल काम करने से बचना चाहिए।
- सुनिश्चित करें कि होसों को उलझने, कटने, अलग होने या प्रचालक को असंतुलित होने से बचाया जाए।
- प्रचालक को मज़बूत पकड़ बनाए रखनी चाहिए और हर समय नोक पर पूर्ण नियंत्रण रखना चाहिए।
- हाथ को नोक के छिद्र से दूर रखें।
- अतिरिक्त धूल और संभावित फिसलन और गिरने के जोखिम को खत्म करने के लिए ब्लास्टिंग धूल को नियमित रूप से हटाया जाना चाहिए।

परिश्रम की पहचान, सफलता का सम्मान

हार्दिक बधाई

डॉ. कृष्ण प्रसाद एस, वरिष्ठ प्रबंधक (मेकानिकल) ने कोचीन विज्ञान व प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कलमश्शेरी से पीएचडी सफल रूप मे हासिल किया।

श्रीमती अमला एड्वर्ड, कोड सं. 4982, उप प्रबंधक (कानूनी) ने एसवीकेएम के नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (मानित विश्वविद्यालय) मुंबई से मानव संसाधन प्रबंधन (एमबीए एचआरएम) में विशेषज्ञता के साथ व्यापार प्रशासन में स्नातकोत्तर उपाधि सफलतापूर्वक हासिल की है।

मास्टर नेयथल डी. अंसेरा के लिए अंतर्राष्ट्रीय शतरंज चैम्पियनशिप (ग्रीस, 12- 18 अप्रैल 2025) में भागीदारी हेतु प्रायोजन

आलप्पुषा के 7 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी नेयथल डी. अंसेरा ने ग्रीस में अंतर्राष्ट्रीय शतरंज चैम्पियनशिप (अप्रैल 2025) में भारत का प्रतिनिधित्व किया। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने 2 लाख की प्रायोजन सहायता प्रदान कर उनकी यात्रा और आवास का समर्थन किया। नेयथल ने ग्रीस में 10वां स्थान और 97 रेटिंग अंक हासिल कर देश का नाम रोशन किया। सीएसएल को उभरती हुई प्रतिभाओं का समर्थन करते हुए गर्व महसूस होता है, और कंपनी खेल एवं शिक्षा के क्षेत्र में भावी चैंपियनों के सपनों को साकार करने के लिए निरंतर योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उपलब्धियाँ

मेहनत का सम्मान, सीएसएल केलिए गर्व

श्री जैक्सन सी. जे., रिग्गर, सीएसएल ने राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ चमक बिखेरी। उन्होंने द्वितीय पुरस्कार के साथ हाई जंप प्रतियोगिता जीत ली। आपकी शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई।

43वाँ राज्य मलयाली मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप

मुरुगन ए एम
श्रेणी 50+
हैमर थ्रो-रजत

सतोष के एस
श्रेणी 45+
डिस्कस थ्रो-रजत

सिजार एम बी
श्रेणी 45+
पोल वॉल्ट-स्वर्ण, हाई जंप कांस्य

अजित एम बी
श्रेणी 45+
हैमर थ्रो - कांस्य

विनु के आर
श्रेणी 45+
लाँग जंप - कांस्य

नीता जोसफ
श्रेणी 40+
शॉट पुट - स्वर्ण

जैक्सन सी जे
श्रेणी 50+
हाई जंप - रजत

प्रवीण पी
श्रेणी 35+
जैव्लिन थ्रो - रजत

लेख

यादों की राह पर चलते हुए

रमेश पी एस
वरिष्ठ प्रबंधक

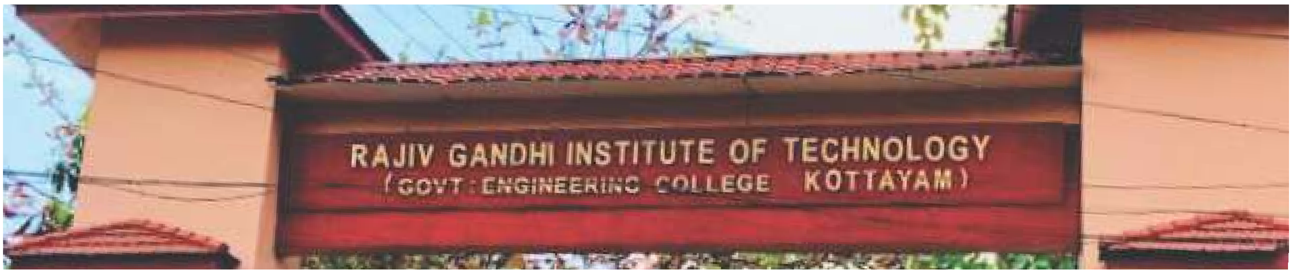

यह एक साधारण दिन था जब मेरे फोन पर एक अनजान नंबर से कॉल आया। जिज्ञासावश, मैंने कॉल उठाया, और तुरंत एक परिचित नाम सुनकर बीस साल पीछे चला गया। दूसरी तरफ से आवाज़ ने खुद को हमारे कॉलेज की एलुमनाई कमेटी के सदस्य के रूप में परिचित कराया और मुझे बताया गया कि हमारे बैच के स्नातक होने के 20 साल पूरे होने पर कॉलेज एक भव्य समारोह का आयोजन कर रहा है ।

यह सुनकर दिल में पुरानी यादों की लहर दौड़ आई। कॉलेज के व्यस्त गलियारों, देर रात पढ़ाई के सत्रों, सांस्कृतिक उत्सवों, और दिल से बने दोस्तों की यादें ताज़ा हो गईं। कॉल करने वाले ने बताया कि यह पुराने दोस्तों से मिलने और अपने प्रोफेसरों से बातचीत कर के, अपने सुनहरे दिनों को फिर से जीने का एक मौका मिलेगा।

जैसे-जैसे वे बात कर रहे थे, मैं मुस्कुराए बिना नहीं रह सका। यह सोचना अजीब लग रहा था कि इन बीस सालों में कितना कुछ बदल गया है, और वही साल मेरी पहचान बनाने में कितने अहम थे। यह केवल एक कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण नहीं था, बल्कि उस जगह को फिर से देखने का मौका था जहां सपने संजोए गए थे, रिश्ते बने थे और अनगिनत यादें बनाई गई थीं। मैंने तुरंत अपनी उपस्थिति की पुष्टि की और दोस्तों से मिलने, कैंपस में लौटने के बारे में सोचने लगा। हर दिन ऐसा मौका नहीं मिलता कि आप अपने अतीत में झांकें और साथ ही अपनी यात्रा पर गर्व करें।

उस विशेष दिन पर, मैं सुबह-सुबह ही तैयार हो गया। मेरे मन में उत्साह और थोड़ी घबराहट का मिश्रण था। जैसे ही मैंने कॉलेज के गेट के पास कदम रखा, पुरानी यादें आंखों के सामने तैरने लगीं। वही पुराना कैंपस, वही गेट, और वही वातावरण सब कुछ जैसे समय में ठहरा हुआ था। चारों ओर से पुराने दोस्तों की आवाजें सुनाई दे रही थीं। जैसे ही मैंने अपनी बैचमेट्स को देखा, वह पल अविस्मरणीय था। किसी के चेहरे पर वही पुरानी शरारत भरी मुस्कान थी, तो किसी में वक्त ने थोड़ा बदलाव ला दिया था। हम सब गले मिले, हंसे, और पुराने दिनों की कहानियों को ताज़ा किया।

कार्यक्रम की शुरुआत एक स्वागत भाषण से हुई, जिसमें कॉलेज के प्रोफेसरों ने हमारे योगदान और उपलब्धियों की सराहना की। इसके बाद सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और एक वीडियो क्लिप दिखाई गई, जिसमें हमारे बैच के सुनहरे पल कैद थे। हर फ्रेम जैसे हमारे दिल को छू रहा था। दिनभर हम कैंपस के कोने-कोने में घूमे - वह क्लासरूम, लाइब्रेरी, कैंटीन, और वह जगह जहां हम घंटों बैठकर बातें किया करते थे। हमने अपने प्रोफेसरों से मुलाकात की और उनकी आशीर्वाद भरी बातें सुनीं।

कॉलेज के दिन

बीस साल बीत चुके हैं जब मैंने पहली बार उस कैंपस में कदम रखा था, जो मेरी ज़िंदगी के सबसे महत्वपूर्ण वर्षों का गवाह बना। जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो वो यादें उमड़-उमड़कर आती हैं, जैसे कोई पुरानी, प्यारी फिल्म जो कभी पुरानी नहीं होती। वो दिन सिर्फ लेक्चर और परीक्षा के लिए नहीं थे; वो दिन ग्रोथ, दोस्ती, सबक और उन अनगिनत छोटे-छोटे पलों के थे, जिन्होंने मुझे आज का 'मैं बनाया।

कैंपस लाइफ की जीवंतता

कैंपस अपने आप में एक अलग दुनिया थी, जो ऊर्जा और उत्साह से भरा हुआ था। मुझे आज भी पहला दिन याद है, जब घबराहट और उत्साह का मिश्रण लिए मैंने लेक्चर हॉल में कदम रखा था, बैग को कसकर पकड़े हुए और आत्मविश्वास दिखाने की कोशिश करते हुए। विशाल लॉन, ऊँची लाइब्रेरी, और हमेशा व्यस्त रहने वाला कैंटीन जल्द ही वो जगह बन गए, जहाँ अनगिनत यादें भरी थी।

कॉलेज एक ऐसी जगह थी जहाँ ज़िंदगी अपने पूरे रंग में थी। क्लास रूम में गरमा गरम बहसों से लेकर सीढ़ियों पर अचानक शुरू हुए म्यूज़िक तक, हर कोने की अपनी एक कहानी थी। वार्षिक फेस्टिवल्स साल का मुख्य आकर्षण होता था, जहाँ तैयारी, प्रतियोगिता और जश्न की धूम मच जाती थी। आज भी उन इवेंट्स की हंसी और तालियों की गूंज मेरे कानों में सुनाई देती है।

दोस्तियाँ जो समय की कसौटी पर खरी उतरीं

अगर कोई चीज़ इन वर्षों को अविस्मरणीय बनाती है, तो वो है दोस्ती। ग्रूपस्टडी सेशन्स, जो अक्सर गपशप और मज़ाक में बदल जाते थे, से लेकर क्लास बंक कर के नई रिलीज़ देखना, हमने सब कुछ साझा किया। रातों में सपनों, डर और भविष्य की बातें करते हुए जो बंधन बने, वो आज भी कायम हैं।

मेरी सबसे प्यारी यादें हॉस्ट लकी हैं - हंसी-मज़ाक, शरारतें और साथ बिता ये पल। ये वो रस्में थीं, जो हमें करीब ले आईं। आज भी, एक ग्रुप चैट हमें जोड़े हुए है, समय और दूरी के फासले को मिटाते हुए।

क्लास रूम के बाहर के सबक

जहाँ एक तरफ पढ़ाई महत्वपूर्ण थी, वहीं असली शिक्षा अक्सर क्लास रूम के बाहर मिलती थी। डिबेट्स में हिस्सा लेना आत्मविश्वास सिखाता था, इवेंट्स मैनेज करना लीडरशिप सिखाता था, और असफलताओं से उबरना धैर्य सिखाता था। प्रोफेसर्स, अपने अनुशासन और स्नेह के मिश्रण के साथ, एक अमिट छाप छोड़ गए। उनकी समझदारी भरी बातें अक्सर सही समय पर याद आ जाती हैं।

वो संघर्ष के पल भी थे - असफलताओं से जूझना, आत्म-संदेह से लड़ना, और एक बदलती दुनिया में अपनी जगह बनाना। लेकिन वो चुनौतियाँ बहुत ज़रूरी थीं, जिन्होंने मुझे सहनशीलता और अनुकूलनशीलता सिखाई। अब जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो महसूस होता है कि उन पलों ने मेरे व्यक्तिगत विकास में कितना योगदान दिया।

मीठी और कड़वी विदाई

कॉलेज के आखिरी दिन भावनाओं का एक तूफान था। फेयरवेल पार्टियाँ, ग्रूपफोटो और जुड़े रहने के वादे उस युग के अंत का प्रतीक था। आखिरी बार गेट से बाहर निकलना एक भावुक पल था–उस समय के अंत का दु:ख और आगे की यात्रा के उत्साह का एक मिश्रण।

20 साल बाद की सोच

अब, बीस साल बाद, वो यादें एक खज़ाने की तरह महसूस होती हैं, जिसे जब भी खोलो, खुशी और प्रेरणा का एहसास होता है। हाल ही में कैंपस का दौरा करते हुए, मैं यह देखकर हैरान था कि कितना कुछ बदल गया था और फिर भी कितना कुछ वैसा ही था। इमारतें नई लग रही थीं, छात्र युवा लग रहे थे, लेकिन उस जगह की आत्मा वैसी ही थी।

ज़िंदगी आगे बढ़ चुकी है, नई ज़िम्मेदारियाँ और चुनौतियाँ लेकर। फिर भी, उन दिनों से मिले सबक और दोस्तियाँ आज भी ताकत का एक स्थायी स्त्रोत हैं। वो मुझे एक ऐसे समय की याद दिलाते हैं, जब दुनिया संभावनाओं से भरी थी, और हर दिन एक रोमांच था।

निष्कर्ष

कॉलेज के दिन सिर्फ ज़िंदगी का एक चरण नहीं हैं; ये कहानियां, सबक और रिश्तों का संग्रह हैं, जो हमेशा हमारे साथ रहता हैं।

जब मैं उन वर्षों को याद करता हूँ, तब मैं उन अनुभवों के लिए आभारी होता हूँ जिन्होंने मुझे आकार दिया और उन लोगों के लिए जो उस यात्रा में मेरे साथ थे। कल की यादों, आज के जुड़ाव, और कल की उम्मीदों के लिए - सभी कुछ उन सुनहरे कॉलेज के दिनों में निहित हैं।

विशेष दिन ने न केवल हमें पुरानी यादों को जीने का मौका दिया, बल्कि यह भी महसूस कराया कि हमारे संबंध, सपने और संघर्ष आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। उस दिन हम सबने यह वादा किया कि यह केवल एक पुनर्मिलन नहीं रहेगा, बल्कि हमारे संबंधों का एक नया अध्याय भी होगा।

यह दिन, वाकई में, हमारी जिंदगी का सबसे खास दिनों में से एक था।

लेख

कृष्णप्रिया ए आर
प्रिया ए आर की सुपुत्री

एक भूल, पूरा जीवन बर्बाद

आज की इस दुनिया में ड्रग्स किसी बच्चे को आसानी से उपलब्ध और सुलभ है। जो चीज़ केवल जिज्ञासा से उपभोग करते है, वो धीरे से व्यसन हो जाता है। न मिलने के कारण व्यक्ति घातक भी हो सकता है।

आज के इस युग में हम अपने आसपास के समाचारों मे बहुत सारे हत्या के बारे में सुनते हैं जो ड्रग्स से संबंधित है। ऐसे समाचारों की संख्या बढ़ती जा रही है और इसकी संख्या कम करने का समय तो बहुत पहले ही निकल चुका है।

मुझे जो कहना है, वो हमारे भारतीय माता-पिता से है, जो लोग अपनी बेटियों को घर के बाहर न जाने देते है, और अपने बेटों को न जाने किसी भी जगह किसी भी समय जाने देते हैं।

ऐसे लडकों के लिए ड्रग्स आसानी से सुलभ है। यह सिर्फ उनका निर्णय हैं कि इसका उपयोग करें या नहीं करें। बल्कि इस उम्र में वह नए चीजों का अनुभव करना चाहता है, और उपयोग करना भी जो बाद में निराशा होता है। इसका मतलब यह नहीं हैं कि लड़कियाँ इसका उपयोग नहीं करती हैं, लेकिन लड़कों की संख्या ज्यादा हैं।

ड्रग्स का उपयोग एक व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। पैसा भी नष्ट होता है। जो आत्मघाती और हत्याओं को बढ़ावा मिलता है। तो मैं माता–पिताओं से यह कहना चाहती हूँ, कि जिस तरह आप अपनी बेटियों को सुरक्षित रखते है, इसी तरह अपने बेटों को भी सुरक्षित रखें।

लेख

उपभोक्ता और कानून

अजितकुमार पी बी
प्रिया ए आर के पति

आधुनिक युग में लोग अपनी ज़रूरत की सामग्री खरीदने के लिए ज़्यादातर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर निर्भर करते है। लोग चाहे अनचाहे, प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सभी चीज़ों को खरीद लेते है। अनेक लोगों के लिए यह संस्थाएं आजीविका का स्त्रोत है, लेकिन इनमें ऐसे लोग भी है जो सामान खरीदने वालों को धोखा देने वालों में शामिल है। वे विज्ञापनों के माध्यम से झूठे वादे करके, नकली सामान उपलब्ध कराकर तथा माप में सटीकता दिखाकर ग्राहकों को धोखा देते है। हमारे संविधान में लोगों को ऐसी धोखा-धड़ी से बचाने के लिए उपभोक्ता संरक्षण कानूनों की परिकल्पना की गई है।

उपरोक्त मुद्दों पर विवाद उठाने और सुलझाने के लिए राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर सुविधाएं उपलब्ध है। यदि 20 लाख से कम मूल्यों की वस्तुओं को खरीदकर धोखा हुआ तो जिला उपभोक्ता फोरम में ओर 20 लाख से 1 करोड रुपए तक के मूल्य की वस्तुओं के विवाद में राज्य फोरम में और 1 करोड से ऊपर की राशि के लिए राष्ट्रीय मंच पर शिकायत दर्ज कराकर भी न्याय की मांग की जा सकती है। अधिकांश लोगों को यह नहीं पता कि ऐसे मंचों पर शिकायत कैसे दर्ज किया जाता है।

शिकायतें ऑनलाइन या उपभोक्ता फोरम में लिखित रूप से भी की जा सकती है। वकील को नियुक्त करना अनिवार्य नही है। शिकायत में विरोधी पक्ष का नाम और पता स्पष्ट रूप से दर्शाया जाना चाहिए। यह भी सूचित करना चाहिए कि विवाद वस्तु की कीमत, मात्रा या गुणवत्ता आदि में किस पर विवाद है। उपभोक्ता फोरम शिकायत की एक प्रति विपक्षी पक्ष को भेजेगा तथा उनसे 30 दिनों के भीतर जवाब की मांग करेगा । इसके बाद सुनवाई के लिए तारीख तय की जाएगी और दोंनों पक्षों को उपस्थित होने के लिए कहा जाएगा । दोनों पक्षों की बातें सुनने के बाद, वे सबूतों की जांच करेंगें और नियत दिन पर फैसला सुनाएंगे । यदि फैसला विरोधी पक्ष के विरुद्ध है और वे इसका पालन नहीं करते है, तो फोरम को उन्हे गिरफ्तार करने और जेल में डालने का अधिकार है, इसलिए, विरोधी पक्षों को निर्णय का अनुपालन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा । यद्यपि बहुत से लोग इस प्रणाली का लाभ उठा रहे हैं, फिर भी हमारे बीच अभी भी ऐसे लोग है जो इसके बारे में अनभिज्ञ है।

लेख

सरिता जी
प्रबंधक

शिक्षा, सहयोग और नेतृत्व विकास का संगम

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषि़क्कोड का प्रशिक्षण अनुभव

आज के वैश्विक और प्रतिस्पर्धी युग में किसी भी संगठन की सफलता उसके प्रबंधन की दक्षता पर निर्भर करती है। एक प्रभावी प्रबंधक वह होता है जो न केवल तकनीकी और कार्यात्मक ज्ञान रखता है, बल्कि कार्यनीतिक सोच, वित्तीय समझ, टीम प्रबंधन, और ग्राहक केंद्रितता जैसे गुणों से भी युक्त होता है। इस दिशा में निरंतर प्रशिक्षण और विकास आवश्यक है।

इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए मुझे भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोषि़क्कोड में आयोजित तीन दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह अनुभव मेरे कैरियर और दृष्टिकोण दोनों को नई दिशा प्रदान करने वाला एक मौका था। इस कार्यक्रम की कुछ महत्वपूर्ण झलकियाँ मैं आपके साथ साझा करना चाहती हूँ।

कार्यक्रम की संरचना एवं विषयवस्तु

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को इस प्रकार संरचित किया गया था कि प्रबंधन के विविध कार्यों को गहन दृष्टिकोण से समझा जा सके। प्रमुख विषय निम्नलिखित है:

- **सामान्य प्रबंधन - भूमिकाएँ, कार्य एवं मानसिकता** - इसमें बताया गया है कि एक प्रबंधक को न केवल प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ निभानी होती हैं, बल्कि वह संगठन का नेतृत्वकर्ता, प्रेरणास्रोत और समस्या समाधानकर्ता भी होता है। संगठनात्मक लक्ष्यों को समझने एवं उन्हें प्राप्त करने के लिए स्पष्ट सोच और दृष्टिकोण भी होनी चाहिए।
- **वित्तीय प्रबंधन** - इस खंड में बजट निर्माण, लागत नियंत्रण, लाभ-हानि विश्लेषण एवं निवेश निर्णय जैसे महत्वपूर्ण वित्तीय पहलुओं की व्यावहारिक जानकारी दी गई। प्रतिभागियों ने कंपनी के बजट ढांचे, लागत निगरानी प्रणालियों और पूंजी निवेश निर्णयों की कार्यनीति को गहराई से जाना।
- **कार्यनीतिक अनुबंध प्रबंधन** - समझाया गया कि किसी भी व्यवसाय में अनुबंधों की योजना, निगरानी और निष्पादन किस प्रकार कार्यनीतिक प्रक्रिया होती है साथ ही कैसे अनुबंध केवल एक कानूनी दस्तावेज न होकर, किसी परियोजना की दिशा, समय-सीमा और गुणवत्ता निर्धारण का आधार होता है। अनुबंध निर्माण की प्रक्रिया, जोखिम मूल्यांकन, विवाद निवारण की कार्यनीतियाँ तथा ठेकेदारों के साथ पारदर्शी एवं टिकाऊ संबंध स्थापित करने की व्यावहारिक विधियाँ साझा की गईं।
- **कार्यनीति का परिचय** - इस खंड में प्रतिभागियों को यह समझाया गया कि प्रभावी कार्यनीति केवल योजनाओं का संकलन नहीं, बल्कि बदलते व्यावसायिक परिवेश में उपयुक्त निर्णय लेने की कला है। केस स्टडी, विश्लेषणात्मक चर्चा और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया कि

कार्यनीतिक सोच संगठन की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को कैसे सशक्त बनाती है।

- **आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन - एक कार्यनीतिक दृष्टिकोण** - परंपरागत आपूर्ति श्रृंखला की तुलना में एक कार्यनीतिक, कुशल और लचीली श्रृंखला के निर्माण की आवश्यकता को रेखांकित किया गया। सत्र में बताया गया कि कैसे कुशल आपूर्ति श्रृंखला योजना, क्रय, भंडारण, वितरण और विक्रेताओं के साथ समन्वय द्वारा लागत में कमी और सेवा गुणवत्ता में वृद्धि लाई जा सकती है।
- **ग्राहक केंद्रितता एवं ग्राहक मूल्य प्रबंधन** - प्रतिभागियों को यह समझाया गया कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक बाज़ार में ग्राहक केवल खरीदार नहीं, बल्कि दीर्घकालिक साझेदार हैं। ग्राहक केंद्रित सोच अपनाकर संगठनों को न केवल संतुष्टि, बल्कि वफादारी भी प्राप्त होती है। सत्र में ग्राहक की आवश्यकताओं को समझने, मूल्य प्रदान करने, और संबंध प्रबंधन की कार्यनीतियों पर चर्चा की गई। ग्राहक की अपेक्षाओं को समझते हुए, सेवा या उत्पाद को कैसे उनके लिए मूल्यवान बनाया जाए, इस पर विशेष बल दिया गया।

2. उत्कृष्ट संकाय और वातावरण

आईआईएम, कोषिक्कोड के प्रोफेसर्स अत्यंत विद्वान, अनुभवी और विषयों के विशेषज्ञ थे। उनकी प्रस्तुति शैली, उदाहरणों का चयन और सहभागिता प्रेरणादायक रही। इसके अलावा संस्थान का प्राकृतिक और शैक्षणिक वातावरण अत्यंत अनुकूल एवं प्रेरक था।

3. शिक्षण रीति और सहभागिता

इस कार्यक्रम में केस स्टडी, समूह चर्चा, संवादात्मक सत्र तथा प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभागियों को सक्रिय रूप से जोड़ने का प्रयास किया गया। इससे न केवल सैद्धांतिक ज्ञान मिला, बल्कि व्यावहारिक समझ भी विकसित हुई।

4. नेटवर्किंग और सहयोग

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के विविध विभागों/यूनिटों से आए सहभागियों से परिचय, अनुभव साझा करना और समवेत रूप से कार्य करना एक समृद्ध अनुभव रहा। इसने न केवल मेरी व्यावसायिक दृष्टि को विस्तारित किया, बल्कि सहयोग और सहभागिता की भावना को भी और अधिक सशक्त बनाया।

भारतीय प्रबंध संस्थान, कोषिक्कोड में आयोजित यह तीन दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम मेरे लिए एक अनोखा अनुभव रहा। वास्तव में, इस कार्यक्रम से विभिन्न विषयों में गहन अंतदृष्टि मिलने में मदद मिली ।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के प्रबंधन को विशेष धन्यवाद, विशेष रूप से मानव संसाधन एवं अध्ययन विकास विभाग के अधिकारियों के प्रति आभार प्रकट करना चाहती हूँ जिनके सक्रिय सहयोग, प्रेरणा और उत्कृष्ट व्यवस्थापन के कारण यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। उनके मार्गदर्शन और समर्थन ने प्रतिभागियों को एक मूल्यवान एवं समृद्ध अनुभव प्रदान किया।

मैं भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षणों में भाग लेने के लिए प्रेरित हूँ, जिससे मैं निरंतर स्वयं को अद्यतन कर सकूँ और अपने संगठन को अधिक योगदान दे सकूँ।

लेख

उत्पीड़न मुक्त कार्यस्थल का निर्माण : सहकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका

क्रिस्टीना शोशा एब्रहाम
उप प्रबंधक

यौन उत्पीड़न निवारण सप्ताह 2024 के दौरान आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में पुरस्कृत निबंध

भारत ने हाल ही के दशकों में ज़बरदस्त प्रगति देखी है, जिसमें महिलाओं के सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। भारत में महिलाएं व्यवसाय से लेकर राजनीति तक सभी क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं। फोर्ब्स टॉप 100 जैसी प्रतिष्ठित रैंकिंग में भारतीय महिलाओं का उभरना उनके बढ़ते प्रभाव और सफलता का प्रमाण है। हालांकि, इन उपलब्धियों के बावजूद, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का मुद्दा एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है, जो अभी भी निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों में कई महिलाओं को प्रभावित करता है।

दुखद निर्भया कांड के बाद 2013 में पेश किया गया यौन उत्पीड़न रोकथाम (पोश) अधिनियम भारत के कानूनी ढांचे में एक ऐतिहासिक कदम साबित हुआ है। फिर भी, कानूनों के अस्तित्व और बढ़ती जागरूकता के बावजूद, कई महिलाओं को कार्यस्थल पर भेदभाव, उत्पीड़न और शोषण का सामना करना पड़ता है। ''मी टु'' जैसे आंदोलनों ने महिलाओं को अपनी बात कहने के लिए एक मंच देना शुरू कर दिया है, लेकिन कई महिलाएं अभी भी प्रतिशोध, नौकरी की असुरक्षा या सहकर्मियों और नियोक्ताओं से समर्थन की कमी के डर से चुप रहती हैं।

सहायता प्रणालियों का महत्व - महिलाओं द्वारा उत्पीड़न की रिपोर्ट न करने का एक मुख्य कारण यह है कि उन्हें विश्वास न किए जाने या प्रतिशोध का सामना करने का डर होता है। इस डर को एक सहायक कार्य वातावरण बनाकर कम किया जा सकता है जहां पीड़ित आगे आने में सुरक्षित महसूस करते हैं। सहकर्मियों और नियोक्ताओं को उत्पीड़न का अनुभव करने वालों को भावनात्मक और व्यावहारिक सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। उत्पीड़न का सामना करने वाले सहकर्मी का समर्थन करने का सबसे अच्छा तरीका है उनकी बात सुनना, उन्हें प्रोत्साहित करना और रिपोर्ट करने की प्रक्रिया में मदद करना। कार्यस्थलों पर आपसी सम्मान की संस्कृति का निर्माण होना चाहिए, जहां उत्पीड़न को बर्दाश्त नहीं किया जाता है और पीड़ित बिना किसी डर के अपनी बात कहने में सक्षम महसूस करते हैं।

बाईस्टैंडर रिपोर्टिंग नीति - ऐसा माहौल बनाने के लिए जहां उत्पीड़न को नज़र-अंदाज़ न किया जाए, एक स्पष्ट बाईस्टैंडर रिपोर्टिंग नीति लागू की जानी चाहिए। यह नीति कर्मचारियों को उत्पीड़न की घटनाओं की रिपोर्ट करने का अधिकार देगी, भले ही वे खुद पीड़ित न हों। सहकर्मियों को किसी और की ओर से रिपोर्ट करने की अनुमति देकर, कंपनियां यह सुनिश्चित कर सकती हैं कि उत्पीड़न को जल्दी और प्रभावी ढंग से संबोधित किया जाए। यह दृष्टिकोण एक अधिक जवाबदेह और सहायक कार्यस्थल संस्कृति बनाने में मदद करता है।

प्रतिशोध और भेदभाव को रोकना - यह आवश्यक है कि उत्पीड़न की रिपोर्ट करने वाले कर्मचारियों पर प्रतिशोध या भेदभाव न किया जाए। पोश अधिनियम स्पष्ट रूप से कर्मचारियों को शिकायत के बाद किसी भी प्रतिकूल कार्रवाई से बचाता है। नियोक्ताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उत्पीड़न के शिकार लोगों को कार्यस्थल की गतिविधियों में शामिल करते रहें न कि उन्हें अलग हटाया जाए। ऐसा माहौल बनाना महत्वपूर्ण है जहां सभी कर्मचारी महसूस करें कि वे भी उसी के अंतर्गत आते हैं और भेदभाव के डर के बिना काम कर सकते हैं।

सहायता के लिए बंधुता तंत्र - कार्यस्थल पर कर्मचारियों की सहायता के लिए बंधुता तंत्र एक और उपयोगी उपकरण है। इस प्रणाली के तहत, प्रत्येक नए या कमज़ोर कर्मचारी को एक अधिक अनुभवी सहकर्मी के साथ जोड़ा जाता है जो उन्हें

उनकी पेशेवर यात्रा के दौरान मार्गदर्शन कर सकता है और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के दौरान सहायता प्रदान कर सकता है। यह प्रणाली जुड़ाव की भावना बनाने में मदद करता है और यह सुनिश्चित करता है कि कर्मचारी कठिन परिस्थितियों में अलग-थलग महसूस न करें।

लिंग-तटस्थ दृष्टिकोण - कार्यस्थल में समावेशिता और सम्मान को बढ़ावा देने के लिए लिंग-तटस्थ दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है। लिंग-विशिष्ट भूमिकाओं या अपेक्षाओं पर निर्भर रहने के बजाय, कार्यस्थलों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लिंग की परवाह किए बिना सभी कर्मचारियों को अवसरों और सहायता तक समान पहुंच मिले। उदाहरण के लिए, महिलाओं को गर्भावस्था और बच्चे की देखभाल जैसी व्यक्तिगत ज़िम्मेदारियों को प्रबंधित करने, बिना किसी निर्णय या पूर्वाग्रह का सामना किए जगह और लचीलापन होना चाहिए। लिंग-तटस्थ दृष्टिकोण रूढ़िवादिता को खत्म करने में मदद करता है और कर्मचारियों को अपने लिंग के बजाय अपनी क्षमताओं और योगदान पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है।

व्यक्तिगत परिस्थितियों को समायोजित करना - प्रत्येक कर्मचारी अद्वितीय होता है, और उनकी व्यक्तिगत परिस्थितियां भिन्न हो सकती हैं। नियोक्ताओं के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे समझदारी से काम लें और उन्हें समायोजित करें, खासकर उन स्थितियों में जहां कर्मचारियों को उत्पीड़न या अन्य चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सहकर्मियों को सहानुभूतिपूर्ण होना चाहिए और सहायता प्रदान करनी चाहिए, जबकि नियोक्ताओं को यह सुनिश्चित करने हेतु उचित समायोजन प्रदान करना चाहिए कि कर्मचारी सुरक्षित और मूल्यवान महसूस करें। इस तरह की समझ कार्यस्थल पर शत्रुता को रोक सकती है और अधिक समावेशी और सम्मानजनक कार्य वातावरण में योगदान दे सकती है।

आपसी सम्मान को बढ़ावा देना - आपसी सम्मान एक स्वस्थ कार्यस्थल की नींव है। यह आवश्यक है कि संगठन के सभी स्तरों पर सम्मान बनाए रखा जाए, चाहे पदों की स्थिति या पदनाम कुछ भी हो। किसी को भी अपने पद या लिंग के आधार पर हीन या अपमानित महसूस नहीं करना चाहिए। जब सम्मान कंपनी की संस्कृति में समाहित हो जाता है, तो यह बदमाशी, उत्पीड़न और भेदभाव जैसे व्यवहारों को रोकता है। प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान और शिष्टाचार के साथ व्यवहार करने का अधिकार है, और यह मानसिकता सभी बातचीत में परिलक्षित होनी चाहिए।

गपशप और झूठी टिप्पणियों से बचना - सहकर्मियों के बारे में गपशप और झूठी टिप्पणियां विषाक्त कार्य वातावरण में योगदान कर सकती हैं और यहां तक कि उत्पीड़न कारण भी बन सकती हैं। ये व्यवहार प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकते हैं, भेदभाव को बढ़ावा दे सकते हैं और शत्रुता को बढ़ावा दे सकते हैं। कार्यस्थलों के लिए स्पष्ट नीतियां बनाना महत्वपूर्ण है जो गपशप को हतोत्साहित करती हैं और सीधे, सम्मानजनक संचार को प्रोत्साहित करती हैं। कर्मचारियों को अफवाहों या हानिकारक टिप्पणियों का सहारा लेने के बजाय खुले संवाद के माध्यम से मुद्दों को हल करने हेतु प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

नियोक्ता की ज़िम्मेदारी : प्रशिक्षण, नीतियां और सहायता - यौन उत्पीड़न को रोकने और उससे निपटने में नियोक्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर नियमित प्रशिक्षण और कार्यशालाएं प्रदान करना, स्पष्ट नीतियां बनाना और आंतरिक शिकायत तंत्र स्थापित करना आवश्यक कदम हैं। नियोक्ताओं को अपने उत्पीड़न रोकथाम कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का आकलन करने और आवश्यक सुधार करने हेतु नियमित लेखा परीक्षा और सर्वेक्षण भी करना चाहिए।

यौन उत्पीड़न के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति कंपनी के मूल्यों के मूल में होनी चाहिए। उत्पीड़न होने पर तत्काल कार्रवाई करके और पीड़ितों को सहायता प्रदान करके, नियोक्ता एक सुरक्षित और सम्मानजनक कार्यस्थल बनाने हेतु अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर सकते हैं।

निष्कर्ष - यौन उत्पीड़न एक गंभीर मुद्दा है जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। ऐसा कार्यस्थल बनाने हेतु जहां कर्मचारी सुरक्षित, मूल्यवान और सम्मानित महसूस करें, नियोक्ता और कर्मचारी दोनों को सक्रिय कदम उठाना चाहिए। बाईस्टैंडर रिपोर्टिंग जैसी नीतियों को लागू करके, लिंग-तटस्थ वातावरण को बढ़ावा देकर और मज़बूत समर्थन प्रणाली प्रदान करके, हम सम्मान और गरिमा की संस्कृति बनाने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। उत्पीड़न से मुक्त कार्यस्थल न केवल कर्मचारियों की भलाई को बढ़ाता है बल्कि संगठन की समग्र सफलता और उत्पादकता में भी योगदान देता है।

लेख

बबीता भास्कर
अनीष वी आर की सुपत्नी

कार्यस्थल में मानसिक स्वास्थ्य- तनाव और थकावट की अनदेखी कीमत

काम हमारी पहचान का केंद्र है, लेकिन बढ़ती मांगें और उम्मीदें कई कर्मचारियों को तनाव, मानसिक थकावट, और बिगड़ते मानसिक स्वास्थ्य से जूझने पर मजबूर कर रही हैं। ये समस्याएं अक्सर अनदेखी रह जाती है, जो धीरे धीरे-व्यक्ति के स्वास्थ्य, रिश्तों और कार्य निष्पादन को प्रभावित करती हैं। हालांकि कुछ कंपनियां मानसिक स्वास्थ्य की ओर ध्यान देने पर कदम उठा रही हैं, फिर भी कई कार्यस्थल अभी भी पर्याप्त समर्थन प्रदान करने में पीछे रह जाते हैं।

काम से जुड़ा तनाव केवल कभी-कभार की नाराज़गी नहीं है; यह धीरे-धीरे गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं जैसे चिंता, अवसाद और भावनात्मक थकावट - का कारण बन सकता है। बर्नआउट एक ऐसी स्थिति है, जिसमें व्यक्ति शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से थक जाता है, और यह लंबे समय तक बने रहने वाले तनाव के परिणामस्वरूप उत्पन्न होती है। इसकी पहचान अक्सर बेबसपन, सामाजिक अलगाव और प्रेरणा की कमी से होती है। चूंकि कई कर्मचारी अपनी परेशानियों को छुपा लेते हैं ताकि वे कमजोर या कम प्रतिबद्ध न लगें, इसलिए बर्नआउट तब तक सामने नहीं आता जब तक कि स्थिति गंभीर न हो जाए।

कार्यस्थल पर खराब मानसिक स्वास्थ्य न केवल व्यक्तियों को प्रभावित करता है, बल्कि पूरी टीम और संगठन को भी नुकसान पहुंचाता है। तनावग्रस्त या मानसिक थकावट वाले कर्मचारियों के बीमारी के कारण छुट्टी लेने, गलतियां करने, ध्यान केंद्रित करने में मुश्किल महसूस करने, और टीमवर्क से अलग हो जाने की संभावना अधिक होती है। समय के साथ, इससे उत्पादकता कम होती है, कर्मचारियों का कारोबार बढ़ता है, और मनोबल गिरता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि अवसाद और चिंता की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था को हर साल 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान होता है, जो उत्पादकता में कमी के कारण होता है।

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा कलंक आज भी एक बड़ी बाधा बना हुआ है। कई कर्मचारी इस डर से अपनी परेशानियाँ साझा नहीं करते कि कहीं उन्हें दंड, अस्वीकार्यता या पेशेवर अवसरों की हानि का सामना न करना पड़े। इसके अतिरिक्त, अनेक कार्यस्थलों में समर्थन प्रणालियों की स्पष्ट कमी है जहाँ न तो मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी स्पष्ट नीतियाँ हैं, न ही परामर्श सेवाओं तक सहज पहुँच, और न ही तनाव या मानसिक थकावट के लक्षणों के प्रति आधारभूत जागरूकता । अक्सर मानसिक स्वास्थ्य को कार्यस्थल की संस्कृति का एक प्राथमिक और अभिन्न हिस्सा मानने के बजाय, इसे एक गौण या बाद में संबोधित करने योग्य विषय समझा जाता है।

ऐसे कार्य वातावरण का निर्माण आवश्यक है जहाँ मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही प्राथमिकता दी जाए जितनी कि प्रदर्शन को । कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बातचीत को सामान्य बनाना चाहिए, ताकि कर्मचारी बिना किसी भय के अपनी बात रख सकें। इसमें प्रबंधकों और नेताओं की भूमिका अत्यांत महत्वपूर्ण होती है - उन्हें स्वस्थ सीमाओं का पालन करते हुए, कार्य-जीवन संतुलन को प्रोत्साहित कर, और सहानुभूति दिखाते हुए उदाहरण स्थापित करना चाहिए। साथ ही, व्यावहारिक समर्थन भी अनिवार्य है जैसे मानसिक स्वास्थ्य संसाधनों तक पहुँच, कर्मचारी सहायता कार्यक्रम (गोपनीय परामर्श, संकटकालीन हस्तक्षेप, रेफरल सेवाएँ, कानूनी और वित्तीय परामर्श आदि) और व्यापक स्वास्थ्य योजनाएँ। यह भी समझना ज़रूरी है कि मानसिक स्वास्थ्य की ज़रूरतें व्यक्ति-विशेष पर निर्भर करती हैं, इसलिए कार्यस्थलों को लचीले और गोपनीय विकल्प उपलब्ध कराना चाहिए।

आराम को प्रोत्साहित करना, यथार्थवादी समय-सीमाओं का निर्धारण और कर्मचारियों के व्यक्तिगत समय का सम्मान करना मानसिक स्वास्थ्य की दिशा में आवश्यक कदम हैं। लचीली कार्य व्यवस्थाएँ - यदि सोच-समझकर लागू की जाएँ तो कार्य-जीवन संतुलन को बेहतर बना सकती हैं। प्रबंधकों और मानव संसाधन पेशेवरों को तनाव और मानसिक थकावट के प्रारंभिक संकेतों को पहचानने और सहानुभूति के साथ प्रतिक्रिया देने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, सहकर्मी सहायता समूह, मानसिक स्वास्थ्य चैंपियन, और गुमनाम फीडबैक प्रणालियाँ एक देखभालशील और समावेशी कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध हो सकती हैं।

कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना केवल नैतिक रूप से उचित नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी व्यावसायिक निर्णय भी है। मानसिक रूप से स्वस्थ कर्मचारी न केवल अधिक उत्पादक होते हैं, बल्कि वे मजबूत टीमों, प्रभावी नेतृत्व और लचीली संगठनात्मक संस्कृति का निर्माण भी करते हैं। तनाव और मानसिक थकावट की अनदेखी करना कंपनियों को दीर्घकालिक रूप से भारी पड़ सकता है-इसकी छिपी लागतें प्रदर्शन, कर्मचारियों के मनोबल और ब्रांड की साख तक को प्रभावित करती हैं। मानसिक स्वास्थ्य को महत्व देना अंततः न केवल कर्मचारियों, बल्कि संगठनों और व्यापक समाज के लिए भी लाभकारी सिद्ध होता है।

‘ कबीर सो धन संचे, जो आगे को होय।
सीस चढ़ाए पोटली, ले जात न देख्यो कोय।। ।।’

भावार्थ / व्याख्या:

कबीर कहते हैं कि उस धन को इकट्ठा करो जो भविष्य में काम आए। सर पर धन की गठरी बाँध कर ले जाते तो किसी को नहीं देखा।

कहानी

रंगमंच

चालना के एस
किरण टी राज की सुपत्नी

पिताजी एक स्कूल शिक्षक थे। इसलिए मेरे बचपन से ही वे मुझे एक शिक्षक के रूप में देखना चाहते थे। मेरे पिताजी एक अच्छे कथकली शौकीन भी थे। यह वह समय था जब त्योहारों के अलावा कोई मनोरंजन नहीं था। जब त्योहारों का समय आता था, तो जहाँ भी संभव हो मेरे पिताजी मुझे नृत्य दिखाने के लिए ले जाते थे। उत्सव स्थल पर कितनी भीड़ होती थी। क्या आज की पीढ़ी यह कल्पना भी कर सकती है कि लोग इतनी संख्या में रंगमंच देखने जाया करते थे। जब पर्दा उठता है तो उत्सव स्थल में सुई चुभाने की भी जगह नहीं रहती। इतनी भीड़ होती है वहां। रात को विक्रेता जो सोंठ की कॉफी लाते थे उसका स्वाद तो लाजवाब था। जब मैं त्योहार का नाम सुनता हूं तब मेरे मन में अभी भी नृत्य और भाप निकलने वाली सोंठ की कॉफी का ख्याल आता है।

जब पर्दा उठता है, तो टिमटिमाते दीपक की रोशनी में कथकली कलाकारों की भावना को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। वहां बैठे हर व्यक्ति के चेहरे पर वही उत्साह दिखाई पड़ता था। अंत में मिली तालियों की गूँज, कलाकारों के चेहरों पर जो गर्व और ख़ुशी का भाव देखने को मिला वो देखकर तो मैंने तय ही कर लिया कि मैं भी एक कलाकार बनूंगा।

परिवार ने मुझे रोकने की बहुत कोशिश की। लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। तब मेरे सभी भाई-बहन मुझसे छोटे थे। उनकी जिम्मेदारी मुझ पर थी। मेरे पिताजी ने मुझसे कहा भी था कि अगर मैं एक कलाकार बनूंगा तो कभी तरक्की नहीं कर पाऊंगा। लेकिन क्या फायदा दर्शकों की जय-जयकारों से भरे मेरे कानों में यह बात कहां से सुनाई देगी। मैंने एक प्रसिद्ध शिक्षक के अधीन अध्ययन किया। धीरे-धीरे मुझे मंच मिलने लगे। फिर, क्या कहना इतना व्यस्त हो गया कि पीछे मुड़कर देखने का मौका ही नहीं मिला। एक के बाद एक पूरे देश में मंच मिलता गया। तब तक

सभी भाई शिक्षक बन चुके थे। मुझे तो उनसे घृणा होने लगी थी। हर महीने मिलने वाली छोटी सी तनख्वाह से मुश्किल से अपना गुजारा कर पाते थे। बेचारे ।

ईश्वर की कृपा से बहुत ऊंचाइयों तक पहुंचने का अवसर मुझे मिला। इस बीच मेरी शादी हो गई। बच्चे हो गए। जैसे-जैसे मैं मशहूर होने लगा वैसे-वैसे घर का रास्ता भूलने लगा। बच्चों के बारे में तो सोचना भी दूर ।

समय के साथ दुनिया में जो बदलाव आया उसका असर केरल पर भी पड़ने लगा था। टेलीविजन। हम कलाकारों पर इसका आगमन बहुत अधिक प्रभाव डाल रहा था। कार्यक्रमों की संख्या कम होने लगी। कार्यक्रम के बाद जो तालियों की गूंज थी वो सपने के समान लगने लगा। उत्सव स्थल पर लोगों की संख्या कम होने लगी। तब तक तो बीमारियों के चंगुल में फंस चुका था। इस बीच पद्मश्री से सम्मानित किया गया। उससे जो पैसा मिला उससे मेरी पत्नी का ऑपरेशन हो गया। मेरा दुर्भाग्य है कि मेरे दोनों बच्चे कहीं पहुंच नहीं पाएं।

अब टीवी की जगह मोबाइल फोन ने ले ली है। अब तो उत्सव स्थल की स्थिति का उल्लेख करने की आवश्यकता ही नहीं है। पहले तो लोग गीत उत्सव और मिमिक्स परेड के लिए आते थे। आज तो इसके लिए भी कोई नहीं आता। तो कथकली को कौन पूछेगा। अब तो ऐसी स्थिति आ गई है कि प्रति वर्ष एक ही कथकली का कार्यक्रम होता है। वह भी तब, जब कोई पद्मश्री के लेबल पर बुलाए।

यह उस समय की बात है जब त्रिपूणित्तुरा के निकट एक मंदिर में सप्ताह के सिलसिले में एक कार्यक्रम की मांग करते हुए समिति सदस्य आए। तब मेरा पैर भी ठीक नहीं था। लेकिन यह बात मैंने उनसे छिपाई। एक कलाकार के लिए मरते दम तक एक मंच एक नशा है। मैंने मान लिया। मैंने उनसे पूछा कि क्या वहां कोई दर्शक होगा? उन्होंने कहा होगा, ''देखेंगे, समय शाम 5 बजे का है, इसलिए हमें यकीन है कि वहां दर्शक होंगे।''

मेरे भाई-बहन, जो स्कूल में पढ़ाने से मिलने वाली आय से अपना गुजारा करते थे, वे अब लगभग चालीस हजार रुपए का पेंशन लेकर आराम से अपना जीवन यापन कर रहे हैं। आज, मुझे एक विकलांग कलाकार का पेंशन मिलता है। कथकली में सहभागी कलाकारों और अन्य कलाकारों को पैसा बांटने के बाद मेरे पास सिर्फ एक हजार रुपये बच जाते है। पत्नी बोली, ''कोई बात नहीं।'' ''आपको यह कार्यक्रम काफी समय के बाद मिला है, पैसे की चिंता मत कीजिए।'' तीन घंटे की तैयारी के बाद मैं तैयार था। मैं उत्साहित था। मंच पर चढ़ा और पर्दा हटा दिया गया। देखकर मैं चौंक गया। वहाँ एक भी बच्चा नज़र नहीं आया। मैदान के बीच में सिर्फ एक बरगद का पेड़ था। उसके बाएं और दाएं ओर कोई नहीं था। टूट गया .... सच में टूट गया। फिर भी एक घंटे तक बिना रुके नाचता रहा। आखिर में जब वहां से नमन करके उतरा तो दर्शकों की तालियों की जगह बरगद के पत्तों की झनझनाहट ने ले ली। मैंने उस दिन कसम खाई कि मैं जीवन में कभी भी नहीं नाचूंगा ।

कला एक आनंद है। इसी प्रकार आनंद भी एक कला है। कलाकार का अस्तित्व तभी है जब दर्शक हों। दर्शकों के बिना कलाकार सिर्फ एक विदूषक है।

कविता

हरित भूमि

प्रिया ए आर
वाणिज्यिक सहायक

जीवन के इस नश्वर सफर में
अच्छाई के हरे बीज बाओ
रोपण और पानी देकर बढ़ाएं।।
अंतत: एक विशाल वृक्ष बनने दें
पक्षियों को बसेरा करने की जगह दें।।

इसे छाया बनने दो
इसे जीवन की सांस बनने दो।।
मही की संरचना बनाए रखें
प्राकृतिक अपदाओं में खड़ा रहने दें।।

हरी भरी रहे, इस धरती को
यह सारा जीवन, हरी ताड़ की क्यारियों में घुल जाए।।
अंतत: जब मैं थक जाऊंगा इस आपके
फिर से विकसित होने के लिए उर्वरक बनने दें।
मेरी यह हरित भूमि को हज़ारों सज दें।

शिपयार्ड

हरिकृष्णन आर
वरिष्ठ मेकानिक इंस्ट्रुमेंट

शिपयार्ड, कोच्ची का वह खज़ाना है,
जो हमें बहुत पहले मिला है।

प्रकृति ने पहले ही जन्म लिया
शिपयार्ड की योग्य भूमि लिए ।

जहाँ समुद्र और झील का संगम होता है,
कोच्ची में जहाँ बनती है राह नई ।

मातृभूमि और मिट्टी को इस शिपयार्ड को देकर,
चले गए सब लोगों को
याद करता हूँ सदा, मन में बसा कर,
नमन करता हूँ सदा - मन में बसा कर।

अनगिनत छोटे और बड़े यानों के लिए
माँ के रूप में सदा चमकने वाली
रानी पद्मिनी से लेकर वीर
विक्रांत भी।

यहीं कोच्ची से ही जन्मा है,
हमारे इस यार्ड में, यहीं कोच्ची से ही जन्मा है।

यहां नमन करें उन वीरों को,
जिन्होंने इतिहास लिखा।

केरल का नाम हमेशा,
दुनिया भर में प्रसिद्ध होने को।

इस शिपयार्ड का सच्चा प्रयास,
ही कारण बना।

जीवन की तूफानी राहों में,
मेरा शिपयार्ड एक रक्षक बना ।

जब तक मेरी सांसें चलती रहेंगी,
कैसे मैं भूल सकता हूँ, इस शिपयार्ड को ।

कविता

शांति की पुकार

हरिकृष्णन जी
प्रबंधक

धूप जले, आसमान रूठे,
धरती भी अब डर से सूखे।
बमों की गूंज, बच्चे रोएं,
आशा के दीप खुद ही खोएं।

ईरान–इज़राइल का गुस्सा क्यों?
क्या भूल गए प्यार का जादू? क्यों?
खून से ना कोई सीमा बनती,
नफ़रत से न कोई रचना सजती।

माँ की गोद हो सबके लिए,
ना हो ज़हर ना हो साज़िश की सीढ़ी।
रंग भरे फूल खिले चमन में,
ना गोलियाँ हो किसी भी मन में।

शांति की एक चिट्ठी भेजो,
दिल से दिल की बात सहेजो।
धरती माँ फिर मुस्कुराए,
हर इंसान चैन से सो जाएं।

कविता

डॉन सारा बिनु
बिनु कुरियाकोस की सुपुत्री

अदृश्य सौंदर्य

धनुषकोडी, जहां समुद्र तट को चूमता है,
भूली हुई फुसफुसाहटों, मिथकों और बहुत कुछ की भूमि।
प्रकाशस्तंभ खड़ा है, प्रकाश की एक किरण,
अनंत रात में खोई हुई आत्माओं का मार्गदर्शन करना।

धनुषकोडी समुद्र, विशाल और गहरा,
जहां प्राचीन धाराएं और रहस्य सोते हैं।
लहरें धीरे से घूमती हैं, फिर टकराकर टूट जाती हैं,
एक ऐसी लय जिसे केवल समुद्र ही बना सकता है।

पानी से परे, जहां आसमान नीले रंग से मिलता है,
सुदूर छटा में नहाया हुआ श्रीलंका स्थित है।
द्वीप देखता है, जैसे हवाएँ उन्मुक्त बहती हैं,
इस शांत, पवित्र समुद्र का पड़ोसी।

इस देश में जहां धरती आसमान से मिलती है,
डॉ. कलाम ने एक बार बहुत ऊंची निगाहों से सपना देखा था।
इन्हीं किनारों से उनकी उम्मीदों ने उड़ान भरी,
एक लड़का जो प्रकाश की ऊंचाइयों को छू गया।

धनुषकोडी की रेत, यद्यपि शांत और नंगी है,
साहस और सपनों की कहानियाँ हवा में रखें।
समुद्र, प्रकाशस्तंभ, हवाएँ जो गाती हैं,
यात्राओं की फुसफुसाहट, भविष्य के पंखों की।

एक ऐसी जगह जहां अतीत और भविष्य का मिश्रण होता है,
जहां समुद्र और आकाश कभी ख़त्म नहीं होते।
धनुषकोडी, जिसकी आत्मा इतनी पवित्र है,
सपनों की, सहने की दृष्टि की बात करता है।

गुरुदास गोस्वामी
स्टोर कीपर

पर्यावरण

तुम्हारे गर्भ में पैदा हुआ
तुम्हारे लिए साँस चले,
पर्यावरण बिना सब धुँआ
स्थान देना आंचल तले।

हमारा लक्ष्य केवल वैश्वीकरण
मातृभूमि को भुला दिया,
छेड़छाड़ कर रहें पर्यावरण
बच्चे, माँ को ही रुला दिया।

प्रदूषित वायु चारों ओर स्वच्छ प्राणवायु के लिए तरस रहे,
पेड़ों की हत्या दुनिया भर समय पर बादल न बरस रहे।

जल ही जीवन स्वरूप है
उसकी प्रदूषण कौन सुलझाएगा
उस जीवन का संकट है
क्या आंसु ओंसे प्यास बुझाएगा

जननी जन्मभूमि कहा जाता है
बसुधंरा सुजला सुफला हो,
यह भी दूषित हो रहा है!
चलो सब मिलकर अच्छा सोचते हैं।

मन की शांति की तलाश
प्रकृति की गोद में मिलेगा,
गुरुकुल से अनुसंधान विभाग
सब को संवेदनशील होना होगा।

ऐसे पर्यावरण रखना होगा
जहां अगली पीढ़ी को शांति मिलेगी,
अपनी ख़ुशी के लिए खुदकुशी
बहुत कीमत चुकानी होगी।

माँ के दूध का ऋण जैसे
आपके लिए भी आभारी हूं,
अपने बच्चों को सोच हो ऐसे
सभी जीव जगत के मित्र हैं।

ए सी कम, अधिक साइकिलें
पानी बर्बादी, अनावश्यक मुद्रण,
जिससे ही पर्यावरण को मदद मिले
हासिल करना होगा कठोर संयम।

हानि कारक कम इस्तेमाल करके
पर्यावरण के अनुकूल उपयोग करें,
थोड़ी परेशानी, अधिक कीमत चुका के
नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करें।

वृक्षारोपण का पुनीत कार्य कर
धरती ''माँ'' का प्रदूषण घटाना हैं,
एक बरस में ना एक बार
हर रोज ''5 जून'' सोचना हैं।

यात्रावृत्तांत

कीर्ति आर
वरिष्ठ प्रबंधक

ज्ञान के पथ पर एक अंतर्राष्ट्रीय कदम

नॉर्वे में सीएसएल - भविष्य की समुद्री विरासत की खोज:- दुनिया के सबसे आकर्षक समुद्री प्रदर्शनों में से एक, प्रतिष्ठित नॉर-शिपिंग सम्मेलन के मद्देनजर, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) और उडुपी कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (यूसीएसएल) के मेरे सहयोगियों के साथ यह यात्रा एक व्यावसायिक दौरे से कहीं बढ़कर, प्रेरणा और अध्ययन की यात्रा थी। इस वर्ष नॉर-शिपिंग एक्सपो का 60वाँ वर्ष था, जिसे समुद्री जगत द्वारा दुनिया की सबसे बड़ी द्विवार्षिक प्रदर्शनी और सम्मेलनों में से एक माना जाता है। हमने जून 2025 की शुरुआत में नॉर्वे के लिए उड़ान भरी और हमारे आगे था एक ऐसा सप्ताह जो तकनीकी चर्चाओं, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और नॉर्वे के अद्वितीय प्राकृतिक दृश्यों से भरपूर था।

दिन 1: आगमन और पारगमन - 1 जून 2025:- सीएसएल की टीम दोहा से होकर ओस्लो पहुँची, जहाँ ठंडी स्कैंडिनेवियाई हवाओं ने हमारा स्वागत किया। मई से सितंबर तक का समय नॉर्वे की यात्रा के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है, और हम सही समय पर वहां पहुंचे थे। हममें से कुछ लोग नॉर्वे के पोत निर्माण केंद्र की एक केंद्रित यात्रा के लिए ओलिसंड की ओर रवाना हुए। जैसे ही शाम लगभग 7:30 बजे ढली, हमारा प्रतिनिधिमंडल फिज्योर के किनारे बसे इस सुंदर नगर में पहुंचा - जहां प्रकृति की कलात्मकता शहरी आकर्षण से लेकर फिज्योर के जादुई नज़ारों तक बिखरी हुई थी। समुद्र और पर्वतों के बीच बसे ओलिसंड ने अपने शांत वातावरण से हमारा स्वागत किया, और संध्या के समय भी सूर्य की रौशनी वातावरण में उजास भर रही थी। करीब 3 से 4 किलोमीटर लंबे समुद्र के नीचे बने सुरंगों और भूमिगत गोल चक्करों से होते हुए यात्रा करना ऐसा प्रतीत हुआ मानो हम किसी विज्ञान-कथा उपन्यास की दुनिया में प्रवेश कर रहे हों।

दिन 2: पोत निर्माण के केंद्र में - 2 जून:- वार्ड शिपयार्ड के वरिष्ठ नेतृत्व के मार्गदर्शन में, ओलिसंड में हमारी टीम ने टॉमरेफयोड स्थित यार्ड में निर्माण के अंतिम चरण में एक पोत का दौरा किया। यह पोत सीएसएल द्वारा कोंग्सबर्ग डिज़ाइन के तहत निर्मित हो रहे सीएसओवी के समान है, जिससे हमारी इंजीनियरिंग टीम को अत्यंत लाभकारी जानकारियां प्राप्त हुईं। नॉर्वेजियन यार्ड की सुव्यवस्थित कार्यप्रणालियों ने हमें आधुनिक समुद्री इंजीनियरिंग की जीवंत झलक दी, और हमनें देखा कि कैसे शिपयार्ड के

कर्मचारी पूर्ण आत्मनिर्भरता से कार्य करते हैं - जिससे उत्तरदायित्व और पारदर्शिता को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, हमने टेनफिज्योर स्थित वार्ड इलेक्ट्रो फैक्ट्री का भी दौरा किया, जो पोतों के लिए पूर्ण पैमाने पर विद्युत इंजीनियरिंग डिज़ाइन, समुद्री खरीद और एकीकृत समाधान प्रदान करती है। इस दौरे में अत्याधुनिक ब्रिज सिमुलेटर (एसईएक्यू) और कंसोल सिस्टम प्रदर्शित किए गए, जहाँ हमारी टीम को सिमुलेटर के साथ प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला - यह तकनीकी गंभीरता और आनंदपूर्ण सहभागिता का सुंदर मिश्रण था। दिन के अंत में टीम ने शहर का भ्रमण किया, जहां हमने पेस्टल रंग की इमारतों और नॉर्डिक परिदृश्य का एक विहंगम दृश्य कैद किया, जो पन्ना-हरित जलराशियों और खड़ी चोटियों से घिरा हुआ था। मौसम कवि की तरह मनमौजी था - हल्की बारिश और ठंडी हवाओं के साथ तापमान लगभग 12 डिग्री सेल्सियस रहा। हमें अब स्पष्ट हो गया था कि परतों वाले कपड़े ले जाना कितना आवश्यक था। शहर के चारों ओर से दिखाई देने वाले बंदरगाह में लग्ज़री क्रूज़ खड़े थे, मानो राजसी परिवार प्रकृति की इस उत्कृष्ट कृति में तैर रहा हो। ओलिसंड शहर की आबादी 50,000 से भी कम है, और यहाँ डिजिटल तकनीक का शानदार समावेश देखा गया - यह एक कैशलेस सोसाइटी है।

इस बीच, ओस्लो में मौजूद टीम ने विभिन्न पोत मालिकों के साथ बैठकें कीं और नॉर-शिपिंग एक्सपो में सीएसएल प्रदर्शनी स्टॉल स्थापित करने के लिए भारत सरकार के भारतीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ भी सहयोग किया। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के नेतृत्व में एक तीसरी टीम ने व्यावसायिक बैठकों के लिए बर्गेन की यात्रा की।

तीसरा दिन: प्रणोदन, सटीकता और स्थायित्व- 3 जून:- हमारा कोंग्सबर्ग प्रपल्शन फैक्ट्री, ऊलस्टेनविक का दौरा एक उन्नत तकनीकी अनुभव रहा, जहाँ हमें उनके नवीनीकृत शॉपफ्लोर पर थ्रस्टर असेंबली और टेस्टिंग की अत्याधुनिक प्रक्रियाओं की गहराई से जानकारी मिली। सीएसओवी परियोजना में उपयोग किए जा रहे थ्रस्टर्स की तकनीकी विशेषताओं को टीम के साथ अत्यंत विस्तारपूर्वक साझा किया गया। इस चर्चा ने स्पष्ट रूप से यह दर्शाया कि कोंग्सबर्ग संगठन सीएसएल के व्यापार में कितना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है, और भारत के पोत निर्माण सफर में यह अंतर-महाद्वीपीय सहयोग कितना एहम है। इसके बाद, टीम ने आगे चलकर अल्माटेक प्यूरो एएस का दौरा किया, जो समुद्री उद्योग के लिए तापीय समाधानों में विशेषज्ञता रखता है, और इंजन के निकास और शीतलन जल से अपशिष्ट ऊष्मा की पुनर्प्राप्ति करके ईंधन की खपत को अनुकूलित करने और उत्सर्जन को कम करने पर केंद्रित है। अल्माटेक का मूल समूह समुद्री समाधान, हैंडलिंग समाधान, इंजन समाधान और तापीय समाधान संभालता है। यह दौरा एक सशक्त उदाहरण था कि कैसे स्थिरता और समुद्री प्रणालियाँ एक साथ मिलकर 70% तक अपशिष्ट ऊर्जा को उपयोगी ऊष्मा में बदल सकती हैं-जो पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने की एक प्रभावशाली और व्यावहारिक दिशा है। इस यात्रा का समापन उनकी निर्माण सुविधा के दौरे के साथ हुआ, जिसमें आंतरिक उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया गया। वापसी यात्रा एक छोटी लेकिन बेहद

दृश्य-सुंदर क्रूज़ यात्रा थी, जिसमें नॉर्वे के मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्राकृतिक दृश्यों का आनंद मिला। दिन का समापन टीम के द्वारा शहर के भ्रमण से हुआ, जिसमें कुछ सदस्यों ने माउंट अक्सला व्यूपॉइंट से शहर का प्रसिद्ध टॉप-व्यू देखा, स्मृति-चिह्न एकत्र किए, और सड़क किनारे मौजूद ट्रोल फिग्योरिन्स के साथ तस्वीरें लीं। नॉर्वे की लोककथाओं के अनुसार, ट्रोल सदियों पुराने प्राणी माने जाते हैं, जो जंगलों में रहते हैं और मनुष्यों की या तो रक्षा करते हैं या शरारतें।

ओस्लो में अधिकारियों ने भारत के पोत परिवहन मंत्री और नॉर्वे के युवराज द्वारा भारतीय मंडप के संयुक्त उद्घाटन में भाग लिया तथा अपनी व्यापारिक बैठकें जारी रखीं।

दिन 4: नॉर-शिपिंग 2025 - 4 जून:- टीम ओस्लो लौट आई थी, जहाँ राजधानी की शहरी गरिमा ने हमें स्वच्छ सड़कों और हल्की फुहारों के साथ आत्मीय स्वागत दिया। टीम ने नॉर-शिपिंग 2025 प्रदर्शनी में पूरे गर्व के साथ अपने स्टॉल का संचालन किया - इस वर्ष पहली बार भारतीय पैविलियन की भागीदारी हुई, जिसमें अन्य सार्वजनिक उपक्रमों, निजी शिपयार्ड, पोत डिज़ाइन फर्मों आदि ने भी भाग लिया। हमारे स्टॉल पर भारत के नौवहन मंत्री, नॉर्वे के राजदूत, और अन्य प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि पधारे, और हमने उन्हें विनम्र अभिवादन एवं जानकारी प्रदान की। भारत सरकार द्वारा प्रदर्शनी में स्थापित 'इंडिया पैविलियन' को विशेष रूप से एक बृहद क्षेत्र में तैयार किया गया, ताकि भारतीय कंपनियाँ अपने स्टैंड्स लगाकर अपनी क्षमताओं और नवाचारों का प्रदर्शन कर सकें। इन पैविलियनों, ब्रेकआउट सत्रों और समुद्री तकनीकी दिग्गजों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से समुद्री नवाचार की एक नई लहर देखने को मिला। इस दौरान कई महत्वपूर्ण बैठकों का भी आयोजन हुआ - जिनमें शिप ब्रोकर, शिप ओनर, क्लास सोसाइटीज़, डिज़ाइनर, ओईएम आदि से चर्चा हुई। सीएसओवी और सामसिक्प परियोजनाओं के संबंधित अधिकारी भी पैविलियन में उपस्थित हुए और नई व्यापार संभावनाओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

वीवाई ट्रेनों में यात्रा, जो कि राज्य द्वारा संचालित हैं, एक अलग ही आकर्षण से भरी हुई थी - इनमें शांत ज़ोन और वाई-फाई जैसी सुविधाएँ यात्रा को और भी आरामदायक बनाती हैं। ट्रैम सेवा भी उतनी ही आरामदायक और सुव्यवस्थित थी। ट्रेनों में उपलब्ध ऑनबोर्ड ट्रैकिंग सुविधाएँ - जैसे कि आगामी स्टेशन, विलंब की जानकारी, अगली ट्रेन का समय आदि - विशेष रूप से उल्लेखनीय थीं। हमारा ठहराव होटल की 21वीं मंज़िल पर थी, जो कि उस होटल की सबसे ऊँची मंज़िल थी। यह अनुभव अत्यंत सुखद रहा, और वहाँ से दिखाई देने वाला दृश्य वास्तव में मनमोहक था। यहाँ से पूरे शहर का मनोरम दृश्य दिखाई देता था, जिसमें सभी ऐतिहासिक इमारतें, द्वीपों से भरे जगमगाते पानी, पत्तन पर खड़े क्रूज़ पोत और हरियाली शामिल थी; वास्तव में, शहरी शोरगुल के विपरीत, खासकर शाम के समय, एक शांतिपूर्ण दृश्य।

दिन 5: डीएनवी के साथ ग्रीन फ्यूचर्स का चार्ट बनाना - 5 जून:- हममें से कुछ लोगों ने होविक स्थित डीएनवी मुख्यालय का दौरा किया, जहाँ डीएनवी नेतृत्व के साथ हरित प्रणोदन प्रणालियों और डीएनवी वर्ग के अंतर्गत चालू सीएसएल की नई निर्माण परियोजनाओं, प्रशिक्षण पहलुओं और पोत निर्माण परियोजनाओं में भविष्य के बाज़ार रुझानों पर एक कार्यनीतिक सत्र आयोजित किया गया। गहन आँकड़ों से पता चला कि कैसे प्रणोदन प्रणालियाँ केवल दो दशकों में यांत्रिक से बैटरी-हाइब्रिड तक विकसित हो गई हैं। मेथनॉल-तैयारी के लिए डिज़ाइन की गई सीएसएल की आगामी सीएसओवी परियोजना को हरित समुद्र की ओर एक कदम के रूप में रेखांकित किया गया।

वास्तव में, होविक वह जगह है जहाँ डीएनवी की कार्यनीतिक सोच नॉर्डिक शांति से मिलती है। लगभग 300 एकड़ में फैले इस कैंपस में हरियाली से भरे पथ, जल-किनारे के दृश्य और खुले प्रांगण हैं - जो न केवल कार्य बैठकों, बल्कि चिंतन और विचारनथंम के लिए भी उपयुक्त हैं। यह स्थान एक सामान्य कार्यस्थल से कहीं अधिक है - यह स्थिरता और सुविचारित डिज़ाइन के प्रति डीएनवी की प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण है। इसके बाद, हम सीएसएल टीम में शामिल होने के लिए लिलेस्ट्रॉम स्थित नॉर-शिपिंग पैवेलियन गए, और दिनभर ग्राहकों से नेटवर्किंग, विचारों के आदान-प्रदान और संभावित साझेदारियों की चर्चा के

साथ कार्यक्रम आगे बढ़ता रहा - यह विचारों और साझेदारियों से भरा एक और प्रेरणादायक दिन रहा। वापसी यात्रा में, हम रॉयल पैलेस के पास से गुज़रे - जो नॉर्वे के राजा और रानी का आधिकारिक निवास है। यह महल एक सुंदर हरित उद्यान से घिरा हुआ है, जहाँ पर छायेदार पेड़, प्रतीकात्मक मूर्तियाँ और पैदल चलने का मार्ग हैं - एक शांतिपूर्ण टहलने के लिए एक आदर्श स्थान।

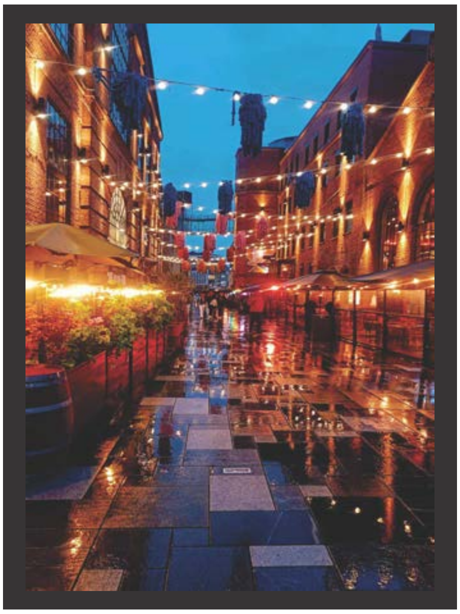

दिन 6: बैटरी प्रौद्योगिकी और अस्को पोत - 6 जून:- टीम ने ओस्लो सेंट्रल से लगभग 100 किलोमीटर दूर, टॉन्सबर्ग स्थित ज़ेन इंजीनियरिंग बैटरी फ़ैक्टरी का दौरा किया और अगली पीढ़ी की समुद्री बैटरियों का अध्ययन किया-जो शून्य-उत्सर्जन वाले जलयानों का एक प्रमुख स्तंभ हैं। कंपनी वर्तमान में अपनी निर्माण प्रक्रिया को उन्नत और स्वचालित कर रही है और फ़ैक्टरी परिसर में यह कार्य प्रगति पर है। वापसी में, हम नॉर्वे के लिए सीएसएल द्वारा निर्मित अस्को पोत को देखने के लिए हॉर्टन पत्तन भी गए। यह पोत समुद्र में एक प्रतीकात्मक और प्रभावशाली संकेत के रूप में रवाना हुआ - जो वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती पोत निर्माण क्षमता की एक शानदार मिसाल है।

ओस्लो के मुख्य मार्ग, कार्ल जोहान्स गेट पर चलते हुए, हम सड़क किनारे खड़ी कारों की तरह खड़ी खूबसूरत नौकाओं को देखकर दंग रह गए, जिनमें से हर एक अपनी समुद्री यात्रा की कहानी बयां कर रही थी। यहाँ की फेरी क्रूज़ सेवाएँ बेहद सहज थीं, और शहर की ड्राइव-फ्री ज़ोन नीति, सख्त ट्रैफिक लेन, और हरियाली - सब एक-दूसरे के साथ संतुलन में नज़र आए। शहर की सुरक्षा संस्कृति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही - नियमों को सम्मानपूर्वक और पारदर्शिता के साथ लागू किया जाता है, जिससे सार्वजनिक स्थलों के प्रति आदर की भावना और अधिक गहराई से महसूस होती है। हालांकि उस दिन मूसलधार बारिश हुई, लेकिन हम फिर भी ओस्लो हार्बर के पास स्थित नोबेल पीस म्यूज़ियम, संसद भवन, नेशनल आर्ट म्यूज़ियम, और ओस्लो विश्वविद्यालय के पास से गुज़रे। ये सभी स्थल कैफे, दुकानों और हरित स्थानों से घिरे हुए थे, जो कार्ल जोहान्स गेट को एक सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक धरोहर में बदल देते हैं।

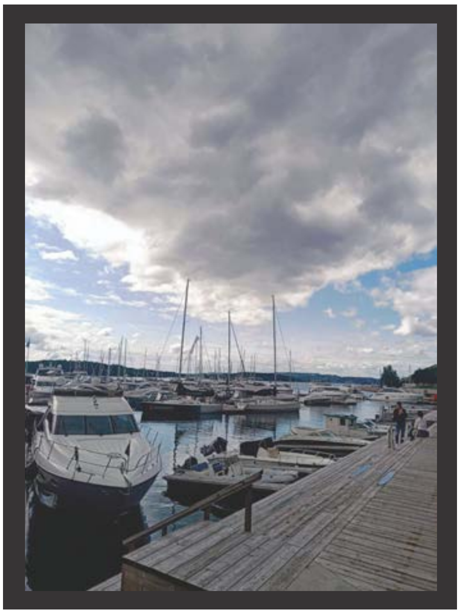

दिन 7: विदाई, नॉर्वे - 7 जून:- जब हम दोहा होते हुए कोच्चि लौटे, तो हमारे साथ केवल स्मृति-चिह्न ही नहीं थे - बल्कि हमने साथ लाया ज्ञानपूर्ण अनुभव, नई साझेदारियाँ, और एक नवचेतना से भरी लक्ष्य भावना, जो भारत की समुद्री यात्रा को वैश्विक मंच पर और अधिक मज़बूती प्रदान करेगी।

अनुभवों की झलक:- यह यात्रा सिर्फ़ पोतों, व्यापार या आँकड़ों के बारे में नहीं थी। यह लोगों, विचारों, नवाचार और सबसे बढ़कर, प्रेरणा के बारे में थी। ओस्लो के फुटपाथों पर धुंध भरी बारिश से लेकर ओलिसंड के फिज्योर की गहरी शांति तक, नॉर्वे ने हमें पौराणिक सुंदरता और समुद्री चमक का एक अनूठा मिश्रण दिया। व्यक्तिगत रूप से, यह यात्रा मेरे लिए पेशेवर समृद्धि का अनुभव रही। ओलिसंड में स्वच्छ पोत प्रोटोकॉल से लेकर ओस्लो में व्यावसायिक चर्चाओं तक, हमारी यह यात्रा निःसंदेह समुद्री उत्कृष्टता का एक प्रेरणादायक अध्याय रही - जहाँ भारत ने गर्व के साथ वैश्विक मंच पर अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई।

यात्रावृत्तांत

श्रीजित बालन
अपिला के पति

धर्मपुरी

प्रकृति और विरासत के हृदय की ओर की यात्रा

पिछले शनिवार को मेरी पत्नी को धर्मपुरी में उसके दोस्तों से पुनर्मिलन के लिए एक फोन आया। वह वहां काम कर चुकी थी और हमेशा मुझसे कहती थी कि वह जगह बहुत ही खूबसूरत है। मैं उससे एक जवाब देने में हिचकिचा रहा था क्योंकि मुझे लगता था कि वह बहुत छोटा नगर है और वहां देखने के लिए कुछ खास नहीं होगा। लेकिन जब वह अपनी ज़िद पर अड़ी रही, तो मेरे पास हार मानने के अलावा और कोई चारा नहीं था।

तमिलनाडु का शांत जिला धर्मपुरी की यात्रा सुबह-सुबह शुरू हुई। हम कोयंबत्तूर से गुज़रे और वहां का प्राकृतिक दृश्य वाकई में देखने लायक था। वहां पहुंचने पर, हमने धर्मपुरी बस स्टैंड से 3 किलोमीटर दूर स्थित एक होटल में चेक-इन किया । थोड़ी देर आराम करने के बाद हम उसके दोस्त के घर गए, जहां उन्होंने हमें वहां के जगह के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।

धर्मपुरी तमिलनाडु के उत्तर पश्चिमी भाग में स्थित एक शहर है, जो कावेरी नदी से घिरा हुआ है। यह जिला तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्रप्रदेश की सीमाओं के भीतर आता है। यह कृष्णगिरी के साथ-साथ राज्य में आम के प्रमुख कृषकों और उत्पादकों में से एक है, और इसे अक्सर ''भारत की आम राजधानी'' के रूप में जाना जाता है। धर्मपुरी में लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। वे फलों, सब्ज़ियों की खेती करते हैं, एवं बागवानी और रेशम उत्पादन भी करते हैं। हर रविवार को, यहां के कृषक एक बाज़ार लगाते हैं जहां हम बहुत ही किफायती दर पर फल और सब्ज़ियां खरीद सकते हैं।

शाम को, हमने अध्यमनकोट्टई में स्थित काल भैरव मंदिर का दौरा किया जो धर्मपुरी के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। काल भैरव की मूर्ति बहुत सुंदर है। प्रार्थना करने का एक अनूठा तरीका है कि राहुकालम पूजा के दौरान कद्दू और नारियल के आधे हिस्से से बने दीपक जलाना। हम कृष्णगिरी में स्थित श्री काट्टु वीरा अंजनेया मंदिर

भी गए, जो धर्मपुरी से एक घंटे की दूरी पर है। यह मंदिर भगवान हनुमान को समर्पित है, जहां भक्तजन नारियल से मन्नते मांगने का एक अनुष्ठान है।

अगले दिन सुबह हम धर्मपुरी रेलवे स्टेशन गए जो धर्मपुरी बस स्टैंड से 1.6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। बैंगलोर जाने वाली ज़्यादातर ट्रेनें इसी रेलवे स्टेशन से होकर गुज़रती हैं। पास में ही एक बड़ा खेल का मैदान है । हमने बच्चों को तरह-तरह के खेल खेलते हुए देखा और बुज़ुर्गों को मैदान के चारों ओर टहलते । यह मनोहर दृश्य को देखते हुए हमारा समय बीत गया।

धर्मपुरी एक ऐसी देखने लायक जगह है जहां पर्यटक आसानी से पहुंच सकते है। यह भूमि अपने में अलग-अलग तरीकों से सुंदर है और यहां देखने, आनंद लेने और अनुभव करने के लिए बहुत कुछ है। नाश्ते के बाद, हम होगेन्नक्कल झरने पर गए जो उस बिंदु पर स्थित है जहां कावेरी नदी तमिलनाडु में प्रवेश करती है। झरना एक अद्भुत दृश्य हैं क्योंकि चट्टानों पर गिरने पर पानी का बहाव धुंआ- सा लगता है। यह एक ऐसी जगह है जहां हम बोटिंग, खासकर कोरेकल की सवारी, औषधीय स्नान और कुछ अद्भुत तेल मालिश का आनंद ले सकते हैं। यहां मछली पकड़ने का काम होता है और ऐसी दुकानें हैं जहां वे हमारी मांग के अनुसार मछली पकाते हैं। यह एक ऐसी जगह भी है जहां कई फिल्मों के दृश्य शूट किए गए थे।

हमने यहां दो दिन बिताएं और मैं बहुत खुश था कि हम इस जगह पर पहुंच सके। यह एक ऐसी यात्रा थी जिसने मेरा दिल जीत लिया और यह हमेशा के लिए एक खूबसूरत यादगार बनकर रहेगी।

यात्रावृत्तांत

वायनाड से ऊटी हर-पल खास

क्रिसल बिनु
बिनु कुरियाकोस की सुपुत्री

दिन 1: रोमांच की शुरुआत

यात्रा सुबह करीब 4:00 बजे शुरू हुई। जब हम सड़क पर उतरे तो उत्साह साफ झलक रहा था, ठंडी हवा आगे के रोमांच को और बढ़ा रही थी। जैसे ही सूरज उगने लगा, हमने नाश्ते के लिए अपना पहला पड़ाव बनाया। ताज़ी इडली और डोसा की खुशबू हवा में भर गई, जिससे हमें अपनी यात्रा

जारी रखने के लिए ज़रूरी ऊर्जा मिली। दोपहर तक, हम एक स्वादिष्ट दोपहर के भोजन के लिए रुके। उसके बाद हमने अपनी यात्रा जारी रखी। सबसे खास बात प्रसिद्ध कोषिकोड हलवा खरीदना था, जो एक मीठा व्यंजन था जिसने हमारी यात्रा में एक खास स्पर्श जोड़ा। तामरश्शेरी चुरम की घुमावदार सड़कें लुभावने दृश्य पेश करती थीं। हरी-भरी हरियाली और धुंध भरे पहाड़ देखने लायक थे, जिससे ड्राइव एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया। हम शाम तक वायनाड पहुँच गए। भारत के केरल के पश्चिमी घाट में बसा वायनाड एक खूबसूरत जिला है जो अपनी हरी-भरी हरियाली, शांत परिदृश्य और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। हम अपने होटल पहुँचे और फ्रेश होने के बाद, हमने एक घंटे तक एक जीवंत डीजे पार्टी का आनंद लिया, नाचते रहे और दिन भर की यात्रा का जश्न मनाया और फिर हमने डिनर किया। डिनर एक दावत थी, जिसमें मेरा पसंदीदा व्यंजन शामिल था। डिनर के बाद, हम अपने कमरों में आराम से बैठे, टीवी देखा और सोने से पहले दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताया।

दिन 2: ऊटी की खोज

अगला दिन सुबह 5:00 बजे शुरू हुआ। हम बालकनी में बैठे, ठंडी सुबह की धुंध और शांत वातावरण का आनंद ले रहे थे। सभी के साथ कुछ फुर्सत के पल बिताए। फिर हम फ्रेश हुए। हम नाश्ते के लिए नीचे गए, ताकि दिन भर के रोमांच के लिए ऊर्जा मिल सके। अपना बैग पैक करने के बाद, हम अपनी बस में वापस चले गए। हमारा पहला पड़ाव नीडल रॉक व्यू पॉइंट था। चढ़ाई रोमांचक थी, और ऊपर से मनोरम दृश्य बस आश्चर्यजनक थे। व्यू पॉइंट से आसपास की घाटियों, पहाड़ों और जंगलों का 360 डिग्री का नज़ारा देखने को मिलता है। चूँकि मौसम साफ था, इसलिए हम दूर-दूर तक फैले मैदानों को देख सकते थे। पहाड़ों की खूबसूरती को कैद करने के लिए हम शूटिंग पॉइंट की ओर दौड़े। हमने अनगिनत तस्वीरें और वीडियो लिए, हर पल पिछले पल से ज़्यादा खूबसूरत था। ऐसा एहसास जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। दोपहर तक, हम ऊटी पहुँच गए और एक शानदार लंच किया। ऊटी का ठंडा मौसम और प्राकृतिक सुंदरता ताज़गी देने वाली थी। बॉटानिकल गार्डन की हमारी यात्रा एक मुख्य आकर्षण था । हमने विविध वनस्पतियों की खोज, खेल खेलने और एक-दूसरे की संगति का आनंद लेने में एक शानदार समय बिताया। शाम को स्मृति चिन्ह और स्थानीय विशिष्टताओं की खरीदारी में बिताया गया। रात का खाना भी एक और शानदार भोजन था, जिसने एक बेहतरीन दिन का समापन किया। हमने रात को अपनी वापसी यात्रा शुरू की, 2:00 बजे कॉफी के लिए रुके। सुबह 4:30 बजे तक, हम थके हुए लेकिन अविस्मरणीय यादों से भरे हुए वापस आ गए। वायनाड और ऊटी की यह यात्रा एक ऐसा अनुभव था जो हमेशा मेरे दिल में रहेगा। सुंदर ड्राइव से लेकर मज़ेदार गतिविधियों तक, हर पल ने मुझे रोमांचित कर दिया और यादों का खज़ाना भर दिया।

यात्रावृत्तांत

कांचीपुरम की यात्रा

राजलक्ष्मी बेहेरा
रंजन कुमार बेहेरा की सुपुत्री

मुझे मेरे मामा और पापा के साथ इस साल क्रिसमस छुट्टी के दौरान कांचीपुरम यात्रा करने का सौभाग्य मिला था। हम लोग 23 दिसंबर सुबह 7.30 बजे एर्णाकुलम स्टेशन से धनबाद जाने वाली रेलगाडी में सवार हुए और रात 8.30 बजे एमजीआर चेन्नई सेंट्रल स्टेशन में पहुंच गए।

कांचीपुरम जाने केलिए चेन्नई पार्क स्टेशन से सुबह 5.20 बजे लोकल ट्रेन निकलती है। हम उसमें सवार हुए और सुबह 8.00 बजे तक कांचीपुरम पहुंच गए। (24 दिसंबर) कांचीपुरम में स्थित दर्शनीय मंदिरों में से कुछ प्रमुख मंदिर हम देखने गए।

1. वैकुण्ठ पेरुमाल मंदिर 2. कैलाश नाथन मंदिर
3. कामाक्षी अमन मंदिर 4. वरदाराजन मंदिर
5. वामनावतार मंदिर 6. कांचिकामकोटि पीठम
7. काशिनाथन मंदिर 8. एकाम्रश्वर मंदिर

वैकुण्ठ पेरुमल मंदिर और कैलाशनाथन मंदिर दोनों 700 शताब्दी अर्थात् 1300 साल से भी ज़्यादा पुराना है। मंदिर के परिसर में स्थित दिवार और प्रतिमा से यह सिद्ध होता है। वैकुण्ठ पेरुमल, वरदाराजन और वामनावतार मंदिर भगवान विष्णुजी को समर्पित है। कैलाशनाथन मंदिर, काशिनाथन मंदिर और एकाम्रश्वर मंदिर भगवान शिवजी को समर्पित है। कामाक्षी अमन मंदिर शक्ति माता को समर्पित है और कांचि कामकोटि पीठम आदि शंकराचार्य की प्रतिष्ठा है। इन सब मंदिरों का दर्शन करने का सौभाग्य हमें प्राप्त हुआ।

कांचीपुरम की सबसे बड़ी खासियत है वहां की कांचीपुरम साडी क्योंकि साड़ी उधर बनाया जाता है। वहां से हमने साड़ी भी खरीदी। हम लोग कई जगह घूमने भी गए। अंत में 25 दिसंबर रात को हम लोग वापस आ गए।

बोलचाल हिंदी की

पेशा

1	नाई	Barber
2	रसोईया	Cook
3	अभिवक्ता	Advocate
4	अभियंता	Engineer
5	दंत चिकित्सक	Dentist
6	चित्रकार	Painter
7	सुनार	Goldsmith
8	रोकड़िया	Cashier
9	नाविक	Sailor
10	रसायनी	Chemist
11	डाकिया	Postman
12	ग्वाला	Milkman
13	कसाई	Butcher
14	नानबाई	Baker
15	धोबी	Washerman
16	मल्लाह	Boatman
17	जुलाहा	Weaver
18	कुम्हार	Potter
19	बढ़ई	Carpenter
20	लोहार	Blacksmith
21	मूर्तिकार	Sculptor
22	मिस्त्री	Mechanic
23	चौकीदार	Watchman
24	माली	Gardener
25	फूलवाला	Florist
26	विमान चालक	Pilot
27	नलसाज	Plumber
28	स्वागती	Receptionist
29	दुकानदार	Shopkeeper

मुहावरे

➤ **आकाश-पाताल एक करना - बहुत अधिक कोशिश करना -**

परीक्षा में अव्वल आने के लिए उसने आकाश-पाताल एक कर दिया।

➤ **ऊँट के मुँह में जीरा - बहुत कम मात्रा में होना -**

इतने पैसे तो ऊँट के मुँह में जीरा के बराबर हैं।

➤ **नाक में दम करना - बहुत परेशान करना -**

बच्चों ने शोर मचाकर सबकी नाक में दम कर दिया।

➤ **रंग में भंग डालना - ख़ुशी के माहौल को बिगाड देना -**

उसकी गलत हरकतों ने पूरे कार्यक्रम के रंग में भंग डाल दिया।

➤ **अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना - खुद ही अपने लिए मुसीबत खड़ी करना -**

बिना सोचे समझे नौकरी छोड़ना अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है।

➤ **नाक कटना - अपमान होना -**

परीक्षा में फेल होकर उसकी नाक कट गई।

➤ **नौ दो ग्यारह होना - तेज़ी से भाग जाना -**

पुलिस को आते देख चोर नौ दो ग्यारह हो गया ।

➤ **पानी-पानी होना - शर्म से लज्जित होना -**

सभी के सामने गलती पकड में आते ही वह पानी-पानी हो गया ।

➤ **टाँग अड़ाना - बाधा डालना -**

हर काम में टाँग अड़ाना उसकी आदत बन गई है।

टिप्पणियां

निदेशक कृपया अनुमोदन के लिए देखें।	Director may please see for approval.
बैठक के कार्यवृत्त का मसौदा अनुमोदन केलिए प्रस्तुत है।	Draft of the minutes of meeting is submitted for approval.
इस फाइल का निपटारा शीघ्र करने के लिए अनुरोध किया जाता है।	Immediate disposal of the file is requested.
कृपया परिचालित करके फाइल करें।	Please circulate and file.
कृपया अनुभाग को तदनुसार सूचित करें।	Please inform the section accordingly.

कृपया पिछली टिप्पणियां देखें।	Please see the preceeding notes.
संगत आदेशों पर पर्चियां लगा दी गई है।	Relevant orders are flagged.
बिल का सत्यापन कर लिया गया है। यह ठीक है, भुगतान केलिए पारित किया जाए।	The bills has been verified. This is in order, may be passed for payment.
प्रतिलिपि प्रशासन अनुभाग को सूचना के लिए भेजी जाती है।	Copy is sent to the Administrative Section for information.
भुगतान के संसाधन केलिए संलग्न प्रपत्र में अपने बैंक विवरण सूचित करने हेतु पार्टी से अनुरोध किया जाए।	The party may be requested to furnish their bank details in the enclosed format for processing payment.
उम्मीदवार के चरित्र और पूर्ववृत्त की जांच की गई है और उसे संतोषजनक पाया गया है।	Character and antecedents of the candidate have been verified and found to be satisfactory.
यह मंजूरी जारी होने की तारीख से केवल एक माह की अवधि तक वैध रहेगी।	This sanction is valid only for a period of one month from the date of issue.
अग्रिम धन की वसूली चालू महीने के वेतन से की जाएगी।	Recovery of the advance will be effected from the current months salary.
ठेका समाप्त कर दी जाए।	Contract may be terminated.
कार्यादेश जारी होने के बाद ...... महीने के अंदर कार्य पूरा हो जाना चाहिए।	The work should be completed with in months after the issue of work order.
कृपया पुष्टि करें कि आप इसमें दी गई विशेष शर्तें का पालन करने के लिए सहमत है।	Please confirm that you agree to abide by the special conditions set forth herein.
आवेदित आकस्मिक छुट्टी दी जाए।	Casual leave applied for may be granted.
यह प्रस्ताव सहमत होने से पहले नीचे लिखा ब्यौरा मांगना जरूरी है।	It will be necessary to obtain the following particulars before agreeing to the proposal.
जाँच पूरी की जाए और रिपोर्ट जल्दी प्रस्तुत की जाए।	Enquiry may be completed and its report submitted at an early date.
बिल निम्नलिखित आपत्तियों के साथ वापस किया जाता है।	The bill is returned herewith with the following objections.
रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत 'करने की व्यवस्था की जा रही है।	Arrangements are being made to ensure timely submission of report.
सक्षम प्राधिकारी का प्रमाणपत्र अपेक्षित है।	Certificate by the competent authority is required.
सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी आवश्यक है।	Competent authorities sanction is necessary.
उपर्युक्त पत्र की प्रति इसके साथ भेजी जा रही है।	Copy of the letter referred to above is sent herewith.

पाठकों की आवाज़

आपके विचार हमारी प्रेरणा

मेल आयडी सं.-2025/01042

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड
GOA SHIPYARD LIMITED
आयएसओ 9001:2015, 14001:2015,45001:2018 कंपनी प्रमाणित
AN ISO 9001:2015, 14001:2015,45001:2018 CERTIFIED COMPANY
(भारत सरकार का उपक्रम)
(A GOVT. OF INDIA UNDERTAKING)
रक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF DEFENCE
वास्को-द-गामा, गोवा - 403 802
VASCO-DA-GAMA,GOA - 403 802

गोवा शिपयार्ड लिमिटेड
GOA SHIPYARD LTD

दूरभाष / Tel : (0832) 2512152 - 56, 2512359
फैक्स / Fax : (0091-832)2514232, 251148, 2513260
ई-मेल / E-mail : contactus@goashipyard.com
वेब / Website : www.goashipyard.com
GSL CORPORATE IDENTITY NUMBER (CIN) U63032GA1967GOI000077
GSTIN : 30AAACG7569F1ZR
पंजिकृत कार्यालय और यार्ड : वास्को-द-गामा,गोवा- ४०३८०२.
Registered Office & Yard : Vasco-da-Gama, Goa, 403 802, India.
सभी उत्तर अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक को संबोधित करना है।
All replies to be addressed to the Chairman & Managing Director

संदर्भ सं. : गोशिलि/04/मासं एवं प्रशा./हिंदी/[illegible] | दिनांक : 17 मार्च 2025

श्रीमती सरिता जी,
प्रबंधक (राजभाषा),
कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड,
प्रशासनिक भवन, पी. ओ. बैग सं. 1653,
पेरुमानूर, पी. ओ.
कोच्ची – 682 015

विषय : कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड की राजभाषा पत्रिका "सागर रत्न" के संबंध में

महोदया,

सर्वप्रथम, वर्ष 2023-24 के लिए आपके संगठन को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किए जाने हेतु हार्दिक बधाई। आपकी पत्रिका 'सागर रत्न' का 17वां अंक प्राप्त हुआ, पढ़कर अत्यंत प्रसन्नता हुई। पत्रिका की डिजाइन के अलावा लेख एवं रचनाओं के साथ बैकग्राउंड कलर का समन्वयन आदि बेहद आकर्षक है।

राष्ट्र निर्माण में मौलिक कर्तव्यों की आवश्यकता पर एक लोक सेवक का दृष्टिकोण, शिक्षक आदि लेख सभी के लिए पठनीय हैं। यात्रा वृत्तांत 'किलिमंजारो की यात्रा' रोमांचक और ज्ञानवर्धक है। यात्रा में रुचि रखने वाले 'पुरुलिया' लेख पढ़कर इसका लाभ उठा सकते हैं। 'समय का सफर', 'गज़ल', 'आगे बढ़ते रहो' के अलावा बचपन की यादें, बच्चों द्वारा बनाए गए चित्र रचनाएं और लाज़वाब ज़ायका भी काफी रोचक हैं।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामनाएं !
सादर एवं ससम्मान

भवदीय
कृते गोवा शिपयार्ड लिमिटेड,
राजेन्द्र कुमार शर्मा
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)

भारतसरकार
GOVERNMENT OF INDIA
गृहमंत्रालय, राजभाषाविभाग
MINISTRY OF HOME AFFAIRS, DEPT. OF OFFICIAL LANGUAGE
क्षेत्रीयकार्यान्वयनकार्यालय (दक्षिण-पश्चिम)
REGIONAL IMPLEMENTATION OFFICE (SOUTH-WEST)
केंद्रीयभवन, 7वाँ तल, सेसपी.ओ, कोच्चि – 682037 (केरल)
KENDRIYA BHAVAN, 7th FLOOR, CSEZ P.O., KOCHI – 682 037 (KERALA)

टेलीफोनवफैक्स:0484 2427792
Email: ddriokochi@gmail.cor

फा.सं./4/क्षेकाका/कोच्चि/2024-25/नराकास/ | दिनांक: 05.03.2025

सेवा में,
अध्यक्ष,
कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड,
पेरुमानूर पी ओ, कोच्चि,
पिन कोड-682015।

विषय- हिन्दी में सार्थक पहल हिन्दी पत्रिका "सागर रत्न" के प्रकाशन पर शुभकामना बाबत्।

महोदय,

उपर्युक्त विषय में कहना है कि कोचीन शिपयार्ड की हिन्दी पत्रिका "सागर रत्न" (2024-25-खंड-2)17वाँ संस्करण के प्रकाशन पर हार्दिक बधाई! यह पत्रिका न केवल भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने का माध्यम है, बल्कि कर्मचारियों और पाठकों को एक नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करने का मंच भी है।

आपकी यह पहल हिन्दी भाषा के विकास और संगठन की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आशा है कि यह पत्रिका नए विचारों,सृजनात्मक अभिव्यक्तियों और ज्ञानवर्धक सामग्री से समृद्ध होती रहेगी।

इस शुभ अवसर पर, हम कोचीन शिपयार्ड परिवार को अपनी ओर से हार्दिक शुभकामानाएँ देते है और पत्रिका की निरंतर सफलता की कामना करते हैं।

धन्यवाद और शुभकामनाएँ!

भवदीय,
निर्मल दुबे
निर्मल कुमार दुबे
(उप निदेशक(का।)

NPOL
Certified ISO 9001 : 2015

NPOL · DRDO

Phone : 0484 - 2571000
Fax : 0484 - 2424858
E-mail : director.npol@gov.in

भारत सरकार – रक्षा मंत्रालय
रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन
नौसेना भौतिक तथा समुद्रविज्ञान प्रयोगशाला
तृक्काक्करा डा.घ., कोच्चि – 682 021, भारत
Government of India, Ministry of Defence
Defence Research & Development Organisation
NAVAL PHYSICAL & OCEANOGRAPHIC LABORATORY
Thrikkakara P.O., Kochi - 682 021, India

सं.: एन पी ओ एल /हिंदी अनुभाग/180/गृह-पत्रिका | दिनांक: 20 ~~फरवरी~~ मार्च 2025

सेवा में,
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
पेरूमानूर पी ओ कोच्ची -15

विषय: **हिंदी गृह पत्रिका 'सागर रत्न ' की प्राप्ति के संबंध में**

संदर्भ: सं पीएण्डए/25/40/19 दिनांक: 04मार्च 2025

आपके द्वारा प्रेषित हिंदी गृह-पत्रिका 'सागर रत्न ' की प्रति एन पी ओ एल को प्राप्त हुई। इसके लिए हम आपके सादर आभारी हैं।

इस पत्रिका का कलेवर एवं साज-सज्जा बहुत ही सुंदर है। इसमें प्रकाशित सभी लेख अत्यंत ही उत्कृष्ट गुणवत्ता वाले हैं । इस पत्रिका को साहित्यिक, कविता,कहानी, यात्रावृत, चित्रकला, बोलचाल की हिंदी आदि को अलग अलग भागों में विभाजित करके संपादन करना अपने आप में एक अनूठा एवं सराहनीय कार्य है।

यह अंक अत्यंत ही रोचक, पठनीय, ज्ञानवर्धक एवं प्रशंसनीय है। एन पी ओ एल निदेशक महोदय की तरफ से आपको एवं इस पत्रिका के प्रकाशन मंडल, संपादक मंडल, लेखकों, और रचनाकारों सभी को हार्दिक बधाई।

पत्रिका के आगामी अंकों के लिए भी हार्दिक शुभकामनाएं।

(राम लोचन अवस्थी), वैज्ञानिक 'ई'
विभागाध्यक्ष (राजभाषा अनुभाग)
कृते निदेशक

एन सी एन : 40154

मुख्यालय
दक्षिण नौसेना कमान
कोच्ची - 682004

ओ एल-1230/13/19 | 20 मार्च 25

प्रबन्धक (राजभाषा)
कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
पोस्ट बैग नं. 1653
पेरुमानूर, कोच्ची – 682015

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड की हिन्दी गृह पत्रिका
"सागर रत्न" के 17 वें अंक की प्राप्ति

1. आपके पत्र सं. पी एंड ए/ 25/40/19 दिनांक 05 मार्च 2025 के संदर्भ में ।

2. कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा प्रकाशित हिन्दी पत्रिका "सागर रत्न" के 17 वें अंक की एक प्रति इस कमान मुख्यालय को प्राप्त हुई है । इस पत्रिका का आवरण तथा फोटोग्राफी अत्यंत सुन्दर एवं आकर्षक हैं । साथ ही, इस पत्रिका में प्रकाशित विभिन्न रचनाओं के माध्यम से प्रस्तुत की गई जानकारी काफी ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक हैं ।

3. इस पत्रिका के माध्यम से राजभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने की दिशा में आपके संस्थान द्वारा किए गए प्रयास सराहनीय हैं । इस पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े सभी रचनाकारों एवं सम्पादक मण्डल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं ।

सुभाष साह
(सुभाष साह)
सहायक निदेशक (राजभाषा)
कृते फ्लैग अफसर कमान-इन-चीफ

चित्र रचनाएँ

एच टी अंजना
हरि परमधमन की सुपुत्री

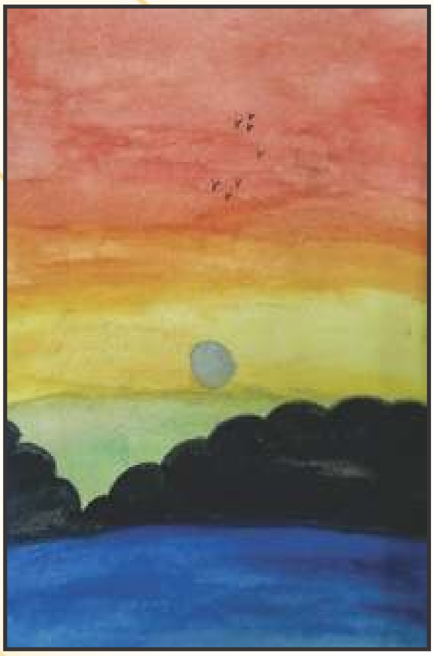

नताशा एलिस शारोन
जूली वर्गीस की सुपुत्री

पारवणा एन
मनोज कुमार एन की सुपुत्री

प्रत्युष पी
रम्या एम सी का सुपुत्र

संघमित्रा अनीष
अनीष वी आर की सुपुत्री

चित्र रचनाएँ

कार्तिक ए पी
बिंदु पी वी का सुपुत्र

ईशान बिजु
बिजु एस का सुपुत्र

दक्षित पी ए
अजोष पी के का सुपुत्र

स्वातिका कृष्णा एस
सुदीप एस नडक्कनाल की सुपुत्री

समन्विता ए शर्मा
अश्विन शर्मा एम की सुपुत्री

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
स्वस्थ सोच, स्वस्थ जीवन

sequenceindia.com